आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 7 फिल्मों में अलग किरदार निभा...

वर्ष : 26 | अंक : 344 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, बृहस्पतिवार, 05 दिसंबर, 2024 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

किसान नेता फिर गिरफ्तार, गांव-गांव में फैला आक्रोश

जीरो प्वाइंट को खाली कराया, 34 किसान नेता गिरफ्तार, चप्पे-चप्पे पर पुलिस

नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर के किसान आंदोलन ने देर रात एक नया मोड़ ले लिया है। यमुना एक्सप्रेसवे के ज़ीरो पॉइंट पर धरना दे रहे किसानों और उनके नेताओं को पुलिस ने देर रात गिरफ्तार कर लिया। किसान नेताओं की फिर हुई गिरफ्तारी से जनपद के गांव-गांव में आक्रोश की चिंगारी फैल गई है। बुधवार की रात करीब 11 बजे ग्रेटर नोएडा के ज़ीरो पॉइंट पर बड़ी संख्या में पुलिस बल पहुंचा। सैकड़ों किसानों को जो सुबह से वहां धरना दे रहे थे गिरफ्तार कर लिया गया। ग्रेटर नोएडा के जीरो प्वाइंट के पास धरनास्थल को पुलिस ने खाली करा दिया है। वर्तमान में एक भी किसान धरनास्थल पर नहीं है। पुलिस की ओर से जीरो प्वाइंट पर सतर्कता के रूप में नजर रख रही है। पुलिस ने किसान नेता सुखबीर खिलाफ सहित 34 किसान नेताओं को धरना स्थल से जबरन उठाकर जेल भेजा है। वहीं किसान सभा के जिला महासचिव जगबीर नंबरदार, जिला उपाध्यक्ष गवरी (शेष पृष्ठ-3 पर)

शासन प्रशासन की मंशा ठीक नहीं: सुखबीर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा की लुक्सर जेल से रिहा होने के बाद किसान नेता सुखबीर पहलवान ग्रेटर नोएडा के जीरो प्वाइंट पर

चल रहे धरने में शामिल हुए। देर रात नोएडा पुलिस ने किसान नेता सुखबीर पहलवान व अन्य किसान नेताओं को फिर गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी से पहले सुखबीर पहलवान ने एक वीडियो संदेश जारी किया जिसमें उन्होंने किसानों से अपील की कि वह धरनास्थल पर बड़ी संख्या में पहुंचें उसके बाद आज सुबह सभी दलित प्रेरणा स्थल पर जाकर धरना देंगे। सुखबीर पहलवान ने कहा कि शासन-प्रशासन की मंशा ठीक नहीं लगती इसलिए सभी लोग पूरी तैयारी के साथ धरनास्थल पर पहुंचे तथा समाज और सच्चाई के लिए सच्चे दिल से लड़ें।

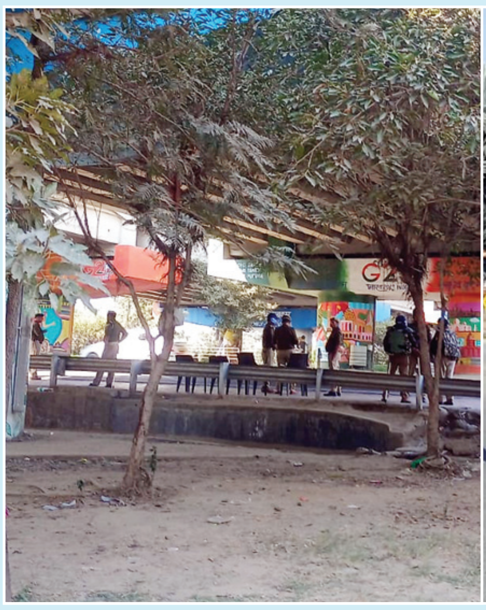

अराजकता फैलाने की साजिश!

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। गौतमबुद्धनगर में चल रहे किसान आंदोलन ने अराजकता फैलाने की साजिश की खुफ्यिा जानकारी नोएडा पुलिस को मिली है। किसान नेताओं की फिर से गिरफ्तारी ने माहौल को गर्मा दिया है। सूत्रों के मुताबिक पुलिस को खुफ्यिा जानकारी मिली है कि किसान आंदोलन में कुछ अराजकत तत्व शामिल होने पहुंच रहे हैं, जो किसान आंदोलन की आड़ में अराजकता फैला सकते हैं। इस खुफ्यिा जानकारी के बाद नोएडा पुलिस ने सख्ती और बढ़ा दी है।

पुलिस-प्रशासन सख्त

प्रशासन ने आंदोलनकारियों से निपटने के लिए क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी है। प्रमुख स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। इस घटनाक्रम को लेकर जनता में मिश्रित प्रतिक्रिया है। कुछ लोग इसे कानून-व्यवस्था बनाए रखने की कार्रवाई मानते हैं, जबकि अन्य इसे किसानों की मांगों की अनदेखी बताते हैं। गौतमबुद्ध नगर में किसानों और प्रशासन के बीच चल रहा यह गतिरोध अब प्रदेश की राजनीति में भी गर्म मुद्दा बनता जा रहा है। पुलिस ने ग्रेटर नोएडा के जीरो प्वाइंट, महामाया फ्लाईओवर व दलित प्रेरणा स्थल पर कड़ा पहरा लगा रखा है। वहीं किसान भी आगे की रणनीति बना रहे हैं। किसान आंदोलन को लेकर नोएडा पुलिस अलर्ट है। जगह-जगह पुलिस बैरिकेटिंग कर गाड़ियों की चैकिंग कर रही है। बिसरख थाना क्षेत्र में पुलिस ने चेकिंग अभियान भी चलाया है। नोएडा पुलिस ने कई स्थानों पर भारी फोर्स को तैनात किया है।

अराजकता फैलाने की छूट नहीं : मुख्यमंत्री

"सीएम ने मुख्य सचिव, डीजीपी समेत शासन के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए फील्ड में तैनात अधिकारियों से बात की। मुख्यमंत्री योगी ने रात 12.00 बजे ट्वीट किया और गौतमबुद्धनगर, अलीगढ़ और संभल का नाम लेकर कहा कि किसी भी जिले में अराजकता फैलाने की छूट नहीं दी जा सकती है। जिन्होंने सार्वजनिक संपत्ति को क्षतिग्रस्त किया है, उसे ठीक कराने का खर्च भी उन्हीं उपद्रवियों से वसूला जाए। अराजकता फैलाने वालों को चिह्नित कर उनके पोस्टर लगाएं। जनता का सहयोग लें। सघन सर्च ऑपरेशन चलाएं। एक भी उपद्रवी बचना नहीं चाहिए।

बड़ा खुलासा : बाबा सिद्दीकी से पहले हिट लिस्ट में थे सलमान खान

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड एक्टर सलमान खान को लेकर बड़ा खुलासा हुआ

है। कुछ महीने पहले ही NCP नेता और सलमान के जिगरी दोस्त बाबा सिद्दीकी की हत्या कर दी गई थी। अब बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में खुलासा हुआ है की उनसे पहले सलमान खान को मारने की प्लानिंग थी।

बाबा सिद्दीकी की हत्या में शामिल आरोपियों ने पुलिस से पूछताछ में बताया है कि गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई की हिटलिस्ट में सलमान खान का भी नाम था। आरोपियों ने ये भी खुलासा किया है, (शेष पृष्ठ-3 पर)

संभल और बांग्लादेश में एक जैसी घटनाएं : योगी

अयोध्या (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल हिंसा को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि जो संभल में हुआ वही बांग्लादेश में हो रहा है। संभल और बांग्लादेश की हिंसा में शामिल लोगों का डीएनए एक है।

रामनगरी अयोध्या में चार दिवसीय रामायण मेले का उद्घाटन सीएम योगी आदित्यनाथ ने किया। पांच से आठ दिसंबर तक सरयू तट स्थित रामकथा पार्क में गीत-संगीत व अध्यात्म की त्रिवेणी प्रवाहमान होगी। सीएम सुबह अयोध्या पहुंचे। इस दौरान उन्होंने हनुमानगढ़ी व रामलला के दरबार में भी हाजिरी लगाई। जानकी महल ट्रस्ट में चल रहे विवाहोत्सव में भी सीएम के शामिल होने की संभावना है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने मेले के उद्घाटन के दौरान कहा कि याद कीजिए 500 साल पहले अयोध्या कुंभ में बाबर के आदमी ने क्या किया था। संभल में भी यही

अयोध्या में रामायण मेले का किया उद्घाटन

हुआ था और बांग्लादेश में भी यही हो रहा है। तीनों का स्वभाव और डीएनए एक ही है। अगर कोई मानता है कि बांग्लादेश में ऐसा हो रहा है तो वही तत्व यहां भी आपको सौंपने के लिए इंतजार कर रहे हैं। उन्होंने सामाजिक एकता को तोड़ने का पूरा इंतजाम कर रखा है। ये बातें करने वाले कुछ लोग ऐसे हैं जिनकी विदेशों में संपत्ति है। अगर यहां कोई संकट आया तो वे भाग जाएंगे और दूसरों को मरने के लिए यहीं छोड़ देंगे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या सनातन धर्म की पावन पूरी में से प्रथम पूरी है। हजारों वर्षों से विश्व मानवता का मार्ग अयोध्या ने प्रशस्त किया। अयोध्या एक ऐसी भूमि जहां कोई युद्ध करने का साहस नहीं कर सकता।

कहा कि पिछले वर्ष जनवरी में पीएम मोदी के हाथों 500 वर्षों के संघर्ष के बाद रामलला फिर से प्रतिष्ठित हुए। पीएम ने अयोध्या के नागरिकों के प्रति अपना अनुराग व्यक्त किया था। अयोध्या ने उनके साथ न्याय नहीं किया। लेकिन, श्रीराम ने हर प्रकार का संरक्षण दिया।

सुरेश खन्ना बने जिला गौतमबुद्धनगर व नोएडा महानगर के चुनावी पर्यवेक्षक

- विधायक पंकज सिंह को अयोध्या तथा महापौर सुनीता दयाल को फ़िरोजाबाद की जिम्मेदारी मिली

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी के सांगठनिक चुनाव कराने के लिए हाईकमान ने 36 पर्यवेक्षक नियुक्त किए हैं। नोएडा महानगर तथा जनपद गौतमबुद्धनगर समेत गाजियाबाद जिला तथा महानगर एवं बुलंदशहर की जिम्मेदारी उप्र सरकार में कैबिनेट वित्त मंत्री सुरेश खन्ना को सौंपी गई है।

इसके अलावा नोएडा के विधायक तथा भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष पंकज सिंह को जिला आयोध्या तथा अयोध्या महानगर के सांगठनिक चुनाव कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

गाजियाबाद नगर निगम की महापौर तथा भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष सुनीता दयाल को फ़िरोजाबाद जनपद तथा फ़िरोजाबाद महानगर की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। पर्यवेक्षकों की यह घोषणा भाजपा के प्रदेश चुनाव अधिकारी डा. महेन्द्रनाथ पांडे ने की है। बता दें कि पूरे प्रदेश में बूथ, (शेष पृष्ठ-3 पर)

नृशंस हत्या के पांच मुल्जिमों को उम्र कैद

वर्ष-2019 में जमीनी विवाद में फांवड़े से काटकर की थी हत्या

नोएडा (चेतना मंच)। जमीनी विवाद में एक युवक की फांवड़े से काटकर हत्या करने तथा शव छिपाने के जुर्म में जिला सत्र न्यायधीश ने पांच लोगों को उम्रकैद की सजा सुनाई है। इसके अलावा 70-70 हजार का जुर्माना भी लगाया है।

जानकारी के मुताबिक वर्ष-2019 में जारचा कोतवाली के कलैंदा गांव में जमीन विवाद के चलते युवक जोगेंद्र की निर्मम हत्या कर दी गई थी। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार दोषियों ने जोगेंद्र को फावड़े से काट डाला और उसके शव को पेड़ की टहनियों में छिपाने की कोशिश की थी। हत्या के बाद मृतक के परिवार ने जारचा कोतवाली में विष्णु कुमार, रहीस, संदीप कुमार, प्रदीप उर्फ भगत और दादरी निवासी कालू उर्फ महकार के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कराया था।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। इस केस की सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने आठ गवाहों और 13 से अधिक दस्तावेजी साक्ष्यों को प्रस्तुत किया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

मेट्रो की ब्लू लाइन पर केबल चोरी, यात्री परेशान

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली-नोएडा की सबसे बिजी ब्लू लाइन पर केबल चोरी की घटना सामने आई है, जिससे मेट्रो के परिचालन पर असर देखने को मिल रहा है। ब्लू लाइन मेट्रो आज देरी से चल रही है। ये सबसे बिजी मानी जाने वाली लाइन है। पीक टाइम में इसका असर और भी ज्यादा देखने को मिला। लोगों को मेट्रो के लिए लंबा इंतजार करना पड़ा। डीएमआरसी ने कहा कि इस लाइन पर देर रात मरम्मत की जाएगी।

मेट्रो की ब्लू लाइन पर केबल की चोरी की घटना द्वारका से वैशाली/नोएडा लाइन पर कीर्ति नगर और मोती नगर के बीच रात के वक्त हुई है, जब मेट्रो सेवा समाप्त हो चुकी थी। स्टेशनों के विपरीत ट्रैक क्षेत्र सीसीटीवी कवरेज में नहीं था, वहीं जिस क्षेत्र से केबल चोरी हुई, वह औद्योगिक क्षेत्र से सटा हुआ है, अंधेरा होने के कारण स्टेशन के सीसीटीवी में भी ज्यादा कुछ कैद नहीं हुआ है। इसके चलते पूरे दिन ब्लू लाइन पर परिचालन प्रभावित रहा।

डीएमआरसी ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे तदनुसार अपनी यात्रा की योजना बनाएं क्योंकि यात्रा में कुछ अतिरिक्त समय लगेगा. इससे पहले अगस्त महीने में भी ऐसी ही घटना सामने आई थी। तब रेड लाइन पर केबल चोरी की घटना हुई थी. उस वक्त झिलमिल से मानसरोवर पार्क के बीच मेट्रो कॉरिडोर पर सिग्नल का केबल चोरी हुआ था। इस वजह से दिलशाद गार्डन से शहादरा तक का रूट प्रभावित रहा था।

शादी समारोह में हर्ष फायरिंग बीबीए का छात्र गिरफ्तार

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-113 क्षेत्र के सोरखा गांव स्थित एक बैंकट हॉल में आयोजित शादी समारोह में बीती रात को एक बीबीए का छात्र हर्ष फायरिंग कर रहा था। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने उसके पास से हर्ष फायरिंग में प्रयुक्त अवैध हथियार बरामद किया है।

थाना सेक्टर-113 पुलिस ने बताया कि बीती रात को थाना पुलिस को सूचना मिली कि सोरखा गांव में स्थित ग्रैंड विला बैंक्विट हॉल में आयोजित एक शादी समारोह के दौरान एक युवक हर्ष फायरिंग कर रहा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पाया कि हर्ष वर्मा पुत्र सुधीर कुमार निवासी शकूरपुर

दिल्ली हर्ष फायरिंग कर रहा है। उसे गिरफ्तार कर हर्ष फायरिंग में प्रयुक्त अवैध हथियार बरामद कर लिया गया है। पूछताछ के दौरान गिरफ्तार आरोपी ने पुलिस को बताया है कि वह जनकपुर स्थित आईआईटीएम कॉलेज से बीबीए की पढ़ाई कर रहा है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने दिल्ली से अवैध हथियार खरीदा था। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस का प्रदर्शन

नोएडा (चेतना मंच)। किसान मजदूर संगठन की राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री पूनम पंडित तथा अन्य किसानों की गिरफ्तारी के विरोध में आज कांग्रेस पार्टी ने प्रदर्शन कर राष्ट्रपति को संबोधित एक ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपा। प्रदर्शन व ज्ञापन देने का कार्यक्रम संयुक्त किसान मजदूर संगठन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा कांग्रेस नेता दिनेश अवाना के नेतृत्व में किया गया।

सौंपे ज्ञापन में नेताओं ने राष्ट्रपति से मांग की है कि प्रदेश सरकार द्वारा अपनी जायज मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसानों पर अत्याचार तथा गिरफ्तारी को लेकर महामहिम हस्तक्षेप कर रोक लगाएं। मालूम हो कि पूनम पंडित को पुलिस ने उस वक्त आगरा टोल पर गिरफ्तार कर लिया जब वे किसानों के प्रदर्शन में शामिल होने के लिए जा

सिटी मजिस्ट्रेट को ज्ञापन सौंपा

रही थीं। ज्ञापन में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एडवोकेट दिनेश अवाना,राष्ट्रीय महासचिव शाहबुद्दीन, राष्ट्रीय संयोजक राज कुमार भारती, एनसीआर युवा उपाध्यक्ष मोहम्मद चांद, प्रदेश प्रवक्ता सुमन राय, (शेष पृष्ठ-3 पर)

'प्राधिकरण के अधिकारी व कर्मचारी के साथ अभद्रता की तो पुरजोर विरोध करेगी एनईए'

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण में यदि किसी ने भी अधिकारी व कर्मचारी के साथ अभद्रता की तो नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन एनईए इसका पुरजोर विरोध करेगी। यह चेतावनी दी एनईए अध्यक्ष चौ. राजकुमार ने। इस संबंध में एनईए के पदाधिकारियों ने ओएसडी को एक पत्र भी सौंपा।

सेक्टर-6 स्थित प्राधिकरण के दफ्तर में एसोसिएशन के पदाधिकारियों की बैठक हुई। बैठक के बारे में एसोसिएशन के अध्यक्ष राजकुमार चौधरी ने बताया कि मंगलवार को प्राधिकरण में दफ्तर के अंदर अधिकारियों-कर्मचारियों से कुछ लोगों द्वारा अभ्रदता किए जाने का मामला सामने आया है। यह घटनाक्रम सही नहीं था। हर किसी को अपनी बात रखने का अधिकार है लेकिन वह सभ्यता के दायरे में होना चाहिए। अब निर्णय लिया गया है (शेष पृष्ठ-3 पर)

सत्ता का शॉर्टकट

सत्ता हासिल करने के लिये शॉर्टकट रास्ता अख्तियार कर मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की कीमत अब पंजाब और हिमाचल चुका रहे हैं। दोनों राज्य फिलहाल गंभीर वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। निश्चित तौर पर यह आर्थिक संकट चुनावी अभियानों के दौरान किए गए लोकलुभावन वायदों के चलते ही उत्पन्न हुआ है। जिसके कारण पिछले दिनों हिमाचल में कर्मचारियों को वेतन व सेवानिवृत्त कर्मियों को पेंशन देने में व्यवधान देखा गया। पंजाब में विधानसभा चुनाव के दौरान आम आदमी पार्टी ने मतदाताओं को तीन सौ यूनिट बिजली मुफ्त देने का वायदा किया था। सत्ता में आने पर राज्य सरकार ने अपने वायदे को अमली जामा पहनाया। जिसके चलते चालू वित्त वर्ष के लिये बीस हजार करोड़ से अधिक सब्सिडी बिल आया है। इसी तरह कांग्रेस के नेतृत्व वाली हिमाचल सरकार ने सरकारी कर्मचारियों को खुश करने के लिये पुरानी पेंशन लागू करने का वायदा किया। यह तय था कि इस घोषणा से राज्य की अर्थव्यवस्था पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। इस आसन्न संकट को महसूस करते ही विगत में केंद्र सरकार ने पुरानी पेंशन योजना से हाथ खींच लिया था। लेकिन अब हिमाचल सरकार द्वारा पुरानी पेंशन योजना यानी ओपीएस को पुनर्जीवित करने से, पहले से ही संकटग्रस्त सरकारी खजाने पर एक बड़ा बोझ और बढ़ गया है। वहीं पंजाब में सब्सिडी भुगतान में देरी से पंजाब की स्थिति और खराब हो गई है। लंबित बिल साढ़े चार हजार करोड़ से अधिक हो गए हैं। वहीं दूसरी ओर पंजाब स्टेट पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड यानी पीएसपीसीएल की बिल संग्रह दक्षता में भारी गिरावट आई है। दरअसल, पीएसपीसीएल पहले ही ट्रांसमिशन घाटे में वृद्धि के संकट से जूझ रहा है। हालांकि, पंजाब स्टेट पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड द्वारा बिजली के बिल के बकायादारों और कतिपय सरकारी विभागों से बकाया धनराशि वसूलने से राजस्व बढ़ाने के प्रयासों में कुछ राहत जरूर मिली है। लेकिन कुल मिलाकर स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। जिसकी कीमत कालांतर राज्य की आर्थिकी को ही चुकानी होगी। निश्चित तौर पर पंजाब को मुफ्त की बिजली देने से उत्पन्न संकट से जल्दी राहत मिलने के आसार नजर नहीं आते। राज्य फिलहाल उधार हासिल करने की सीमा के करीब पहुंच गया है। जिसके चलते मुफ्त बिजली योजना चलती रह सकेगी, इसमें संदेह है। कमोबेश हिमाचल प्रदेश भी ऐसे ही संकट से दो चार है। राज्य की वित्तीय बदहाली इस बात की गवाह है। पुरानी पेंशन योजना की बहाली ने राज्य के वित्तीय दायित्वों को बढ़ा दिया है। जिसके चलते वेतन और पेंशन से जुड़ी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने के लिये मासिक रूप से दो हजार करोड़ की अतिरिक्त आवश्यकता होती है। जो वित्तीय दिक्कतों की अंतहीन श्रृंखला को जन्म दे रही है। राज्य 6200 करोड़ की अपनी ऋण सीमा समाप्त होने के बाद, अपने रोजमर्रा के खर्चों को प्रबंधित करने के लिये भविष्य की उधारी पर निर्भर होता जा रहा है। आर्थिक मामलों के जानकार चिंता जता रहे हैं कि राज्य की आर्थिक स्थिति और खराब हो सकती है क्योंकि अगले वित्तीय वर्ष में केंद्र का राजस्व घाटा अनुदान आधा होने की बात कही जा रही है। वहीं अपनी लोकलुभावनी नीतियों के दुष्प्रभावों को नजरअंदाज करके दोनों राज्यों की सरकारों ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर फंड रोकने और भेदभावपूर्ण रवैया अपनाने का आरोप ही लगाया है। वहीं दूसरी ओर पूंजी निवेश योजना के लिये विशेष सहायता से हिमाचल को बाहर किए जाने पर तल्ख राजनीतिक प्रतिक्रिया सामने आई है। कुछ ऐसे ही पंजाब सरकार भी विकास निधि के आवंटन में पक्षपात का आरोप केंद्र सरकार पर लगाती रही है। जबकि यह एक हकीकत है कि चुनावी लोकलुभावनवाद से प्रेरित अस्थिर राजकोषीय नीतियां ही संकट के मूल में हैं। यह टकसाली सत्य है कि राज्य सरकारें बढ़ते कर्ज और घटते राजस्व के चलते वित्तीय संकट से जूझ रही हैं। यह वक्त की दरकार है कि राज्य सरकारें अपना ध्यान खैरात बांटने के बजाय संरचनात्मक सुधारों पर केंद्रित करें। दरअसल, राज्यों को वित्तीय संकट से उबारने के लिये राजकोषीय विवेक, कुशल कर संग्रह और तार्किक सब्सिडी समय की मांग है।

दिल्ली सल्तनत पर बार-बार क्यों करते हैं किसान चढ़ाई?

अन्नदाताओं की समस्याओं का समाधान आखिर कब होगा? क्या उनकी मांगे भविष्य में कभी पूरी हो भी पाएंगी या नहीं? केंद्र में सरकार चाहे कांग्रेस की हो या भाजपा की, हर दौर में यही सब कुछ देखने को मिलता है। कमोबेस, सरकारों का रवैया सदैव एक जैसा ही रहता है। इसलिए एकाएक किसी सरकार को दोषी ठहराना किसी टिप्पणीकार के लिए बेईमानी सा होता है। किसान आंदोलनों से जो समस्याएं उपजती हैं, उसका खामियाजा सिर्फ और सिर्फ आमजन ही भुगतते हैं। समस्याएं किस कदर पनपती हैं इस ओर शायद किसी का भी ध्यान नहीं जाता। मरीज, छात्र, राहगीर, दैनिक कर्मी तो बेहाल होते ही हैं, रोजमर्रा के क्रियाकलाप भी रुक जाते हैं। दो दिसंबर को भी यही हुआ, जब किसान उत्तर प्रदेश के एक छोर से चले, तो सड़कों पर दौड़ने वाले तेज वाहनों के पहिए थम गए। क्या मरीज, क्या नौकरीपेशा, सभी के पैर अपने जगह रूक गए।

दरअसल, अपनी विभिन्न मांगों को लेकर किसान संगठनों ने एक बार फिर दिल्ली पर चढ़ाई करने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि ऐसा करने से उन्हें बलपूर्वक बॉर्डरों पर ही रोका गया है। पर, हालात दिल्ली-एनसीआर के एक बार फिर बिगड़ते दिखाई पड़ने लगे हैं। इस दफे भी किसानों के तेवर उग्र दिख रहे हैं। अन्नदाता लंबा आंदोलन करने के मूड़ में दिखाई पड़ते हैं। इतना तय है, अगर उनकी समस्याओं का समाधान समय रहते नहीं हुआ, तो हालात पिछले किसान आंदोलन जैसे बनने में वक्त नहीं लगेगा। किसान केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार को बीते एक महीने से अल्टीमेटम दे रहे थे कि उनकी मांगे मानी जाएं, उनसे बात करे कोई जिम्मेदार व्यक्ति, जिससे दोनों पक्ष बैठकर कोई हल निकाल सकें। लेकिन उनकी बातों को हुकूमती स्तर पर एक बार भी अनसुना और अनदेखा किया गया।

दिल्ली पहुंचने के लिए गौतमबुद्ध नगर से करीब 50,000 से अधिक किसान सोमवार सुबह यानी दो तारीख को नोएडा महामाया फ्लाईओवर के पास एकत्रित हुए, फिर उन्होंने दिल्ली कूच का प्लान किया, हालांकि तत्काल रूप से तो पुलिस ने उनकी योजना को विफल कर दिया है। लेकिन किसान बॉर्डर पर ही डटे हुए हैं, वह किसी भी सूरत में दिल्ली पहुंचना चाहते हैं। उनको लगता है संसद का शीत सत्र चालू है। पूरी हुकूमती मशीनरी इस समय एक साथ है, उनकी बातें आसानी से पहुंच सकती है। पर, ऐसा होता दिख नहीं रहा। केंद्र सरकार इतनी आसानी से सबकुछ मान लेगी, ऐसा भी दिखाई नहीं पड़ता। इसलिए किसान भी काफी उग्र हैं। अपने साथ लंबे आंदोलन को करने के लिए तामझाम लेकर पहुंच हैं। राशन, टैक्टर, मोटरसाइकिल, गैस सिलेंडर, तंबू आदि है उनके पास।

दरअसल, अपनी विभिन्न मांगों को लेकर किसान संगठनों ने एक बार फिर दिल्ली पर चढ़ाई करने का प्रयास कर रहे हैं। हालांकि ऐसा करने से उन्हें बलपूर्वक बॉर्डरों पर ही रोका गया है। पर, हालात दिल्ली-एनसीआर के एक बार फिर बिगड़ते दिखाई पड़ने लगे हैं।

किसानों ने दिल्ली मार्च का प्लान अचानक से ही बनाया। पहले की प्री-प्लान नहीं थी। क्योंकि किसान अपनी विभिन्न मांगो को लेकर नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण पर पिछले कुछ दिनों से धरनागत थे। उनकी प्रमुख मांगे हैं, उन्हें ज़मीन के बदले 10 पर्सेंट निर्मित प्लॉट और 64 पर्सेंट बढ़ा हुआ जमीन का शेष मुआवज़ा दिया जाए। साथ ही जितने किसान जमीन छिन जाने से भूमिहीन हुए हैं, उनके परिवार के बच्चों को केंद्र सरकार और राज्य सरकार कोई न कोई रोजगार जैसी वैकल्पिक व्यवस्थाएं की जाएं, इसके अलावा एमएसपी गारंटी कानून लागू करें। फसलों की कीमतें डबर हों, खाद, बीज व कीटनाशक दवाईयों के रेट कम किए जाएं जैसी पुरानी मांगे भी उनकी बरकरार हैं। इस वक्त मंड़ियों में धान की खरीद में जो घटतौली हो रही है उसे तुरंत रोका जाए। ये मांगे ऐसी जिसे शायद ही सरकारें मांगे।

प्रतीत ऐसा होता है कि ये किसान मूवमेंट भी बडा रूप ले सकता है। अभी तक गनीमत ये समझी जाए, इस मोर्चे में सिर्फ दर्जन भर ही किसान संगठन शामिल हुए हैं। हालांकि बाहर से करीब सौ से ज्यादा किसान संगठनों का समर्थन प्राप्त है। मोर्चे को रोकने को अगर कोई जल्द विकल्प नहीं निकाला गया, तो अन्य किसान संगठन भी कूदने में देर नहीं करेंगे। हांलाकि सोमवार को किसान मोर्चे को देखते हुए नोएडा ट्रैफ़िक पुलिस और दिल्ली पुलिस की ओर से एडवाइजरी की गई जिसमें कालिंदी कुंज बॉर्डर, यमुना एक्सप्रेस-वे और डीएनडी बॉर्डर से बचने की लोगों को सलाह दी गई, क्योंकि इन जगहों पर मोर्चे का असर व्यापक रूप से देखने को मिला। लोग अनचाई परेशानी से जूझते दिखाई पड़े, स्कूली बच्चों भी जाम में फंसे रहे, एमबूलेंस भी नहीं निकल पाई। नौकरीपेशा समय से अपने कार्यालयों में नहीं पहुंच पाए। ये हालात ऐसे ही बने रहेंगे, जब तक ये मूवमेंट चलता रहेगा।

किसान मूवमेंट शुरू होने के कुछ घंटों बाद ही राजनीति भी आरंभ हो गई। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने अपना समर्थन दे दिया। कांग्रेस ने कहा दिल्ली बॉर्डर पर बैरिकेडिंग, वाटर कैनन, दंगा नियंत्रण गाड़ियां और अमित शाह की पूरी पुलिस तैनात की गई। ऐसा प्रतीत होता है जैसे की उनको किसी आंतकवादी को रोकना या पकड़ना हो? किसान भूमि अधिग्रहण का उचित मुआवज़ा और फसल के सही दाम की मांग लेकर दिल्ली आकर सोती सरकार को जगाना चाहते हैं इसमें बुरा क्या है? वहीं, आम आदमी पार्टी की ओर से बयान आया जिसमें कहा गया कि राष्ट्र की राजधानी किसी की बपौती तो है नहीं? फिर किसान क्यों नहीं आ सकते? प्रधानमंत्री पर भी उन्होंने हमला किया। बोले, किसानों पर बर्बरता के नए आयाम रच रहे हैं प्रधानमंत्री। उनके दिल में अन्नदाताओं के लिए रत्ती भर सम्मान नहीं है। कांग्रेस का मानना है कि किसान अपनी जायज मांगों को लेकर दिल्ली आना चाहते हैं, उन्हें आने देना चाहिए, उनपर वाटर कैनन का प्रयोग करना गलत है। दरअसल, ऐसे मौकों पर विपक्ष का बिना सोचे समझे कूद पड़ना, 'आग में घी डालने' का काम कर जाता है। जबकि, उन्हें केंद्र सरकार पर दबाव बनाकर विकल्प और समाधान की ओर ध्यानाकर्षण करवाना चाहिए। ताकि सरकार आंदोलनकारियों से बात करने पर विवश हो? पर, दुर्भाग्य ऐसा हो नहीं पाता और न ही विपक्ष ऐसा प्रयास करता है।

- डॉ. रमेश ठाकुर
सदस्य, राष्ट्रीय जन सहयोग एवं बाल विकास संस्थान, भारत सरकार!

रामचरित मानस

कल के अंक में आपने पढ़ा था कि मरे हुए मन में भी कामदेव जागने लगा, वन की सुंदरता कही नहीं जा सकती। कामरूपी अग्नि का सच्चा मित्र शीतल-मन्द-सुगंधित पवन चलने लगा। सरोवरों में अनेकों कमल खिल गए, जिन पर सुंदर भौंरों के समूह गुंजार करने लगे। राजहंस, कोयल और तोते रसीली बोली बोलने लगे और अप्सराएँ गा-गाकर नाचने लगीं।। उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

दो0-सकल कला करि कोटि बिधि हारेउ सेन समेत।
चली न अचल समाधि सिव कोपेउ हृदयनिकेत॥

कामदेव अपनी सेना समेत करोड़ों प्रकार की सब कलाएँ (उपाए) करके हार गया, पर शिवजी की अचल समाधि न डिगी। तब कामदेव क्रोधित हो उठा॥

देखि रसाल बिटप बर साखा। तेहि पर चढ़ेउ मदनु मन माखा॥
सुमन चाप निज सर संधाने। अति रिस ताकि श्रवन लगि ताने॥

आम के वृक्ष की एक सुंदर डाली देखकर मन में क्रोध से भरा हुआ कामदेव उस पर चढ़ गया। उसने पुष्प धनुष पर अपने (पाँचों) बाण चढ़ाए और अत्यन्त क्रोध से (लक्ष्य की ओर) ताककर उन्हें कान तक तान लिया॥

छाड़े बिषम बिसिख उर लागे। छूटि समाधि संभु तब जागे॥
भयउ ईस मन छोभु बिसेषी। नयन उघारि सकल दिसि देखी॥

कामदेव ने तीक्ष्ण पाँच बाण छोड़े, जो शिवजी के हृदय में लगे। तब उनकी समाधि टूट गई और वे जाग गए। ईश्वर (शिवजी) के मन में बहुत क्षोभ हुआ। उन्होंने आँखें खोलकर सब ओर देखा॥

(क्रमशः..)

स्कूल छात्राओं की यौन सुरक्षा

नवंबर 2024 में दिल्ली में शाहदरा के आनंद विहार इलाके में एक स्कूल बस में एक स्कूली छात्रा के साथ कथित तौर पर यौन उत्पीडन् का मामला सामने आया था। स्कूल छात्राओं का इस प्रकार का शोषण देश के अनेक राज्यों में लगातार देखने को मिल रहा है। इन ज्यादातर मामलों में आरोपी शिक्षा संस्थानों से जुड़े लोग ही होते हैं। यह एक सामाजिक चिंता का कारण है। ऐसे सभी मामले दूरदराज के छोटे गांवों से लेकर जाने-माने विश्वविद्यालयों तक के हैं, जहां यौन हिंसा को लेकर लड़कियां लगातार संघर्ष कर रही हैं और कई बार तो उनके स्कूल या कॉलेज छोडने् तक की नौबत भी आ जाती है। लैंगिक भेदभाव के अलावा इस तथाकथित आधुनिक समाज में यौन शोषण एक बड़ा कारण भी है जिससे लड़कियां शिक्षा से दूर हो जाती हैं या उनके अभिभावकों द्वारा दूर कर दी जाती हैं।

अक्सर शिक्षा और रोजगार के लिए जारी रिपोर्ट्स में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी को देखकर सभी खुद को शाबाशी देने लगते हैं। लेकिन हम यह भूल जाते हैं कि अभी भी समाज के कई हिस्सों में लड़कियों को अपनी बुनियादी शिक्षा और विकास के लिए कड़ा संघर्ष करना पड़ रहा है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के मुताबिक लगभग पांच में से एक लडक़ी अभी भी निम्न-माध्यमिक शिक्षा की पढ़ाई पूरी नहीं कर पा रही है। लगभग 10 में से चार लड़कियां आज भी उच्च-माध्यमिक विद्यालय की पढ़ाई पूरी नहीं कर पा रही हैं। कुछ क्षेत्रों में तो संख्या और भी निराशाजनक है। यह पूरी दुनिया का हाल है। अपने यहां के हालात भी कुछ ऐसे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार यहां प्राइमरी स्कूल की शिक्षा पूरी करने के बाद लगभग 65 फीसदी लड़कियों ने स्कूल छोड़ दिया था।

ये आंकड़े शिक्षा मंत्रालय ने अपनी पहली 'ग्रामीण भारत में प्राथमिक शिक्षा की स्थिति' रिपोर्ट में बताए हैं। हालांकि इस पढ़ाई छोडने् के पीछे यौन हिंसा के अलावा और भी कई बड़े कारण हैं, लेकिन राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की वार्षिक रिपोर्ट कहती है कि भारत में पिछले तीन सालों में बच्चों के खिलाफ 418385 अपराध दर्ज किए गए। इनमें पॉक्सो एक्ट के तहत करीब 134383 मामले दर्ज हुए। पॉक्सो (प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन अगेंस्ट सेक्सुअल ऑफेंस) जैसे कड़े कानून के बावजूद भारत में बच्चों के खिलाफ यौन हिंसा के मामले कम नहीं हो रहे हैं, बल्कि इनमें साल दर साल इजाफा हो रहा है। महानगरों के अलावा छोटे शहरों में भी इस तरह के घिनौने अपराधों को अंजाम दिया जा रहा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) की साल 2020 की रिपोर्ट बताती है कि देश में बाल यौन शोषण के 47221 मामले दर्ज किए गए थे। इन मामलों में अधिकतर पीड़ित लड़कियां ही थीं। एनसीआरबी के मुताबिक यौन हिंसा और यौन शोषण की वारदातें सबसे अधिक 16 से लेकर 18 वर्ष की लड़कियों के साथ हुईं। इस क्षेत्र में काम करने वाले कार्यकर्ताओं का कहना है कि कई बार मामले पुलिस तक नहीं पहुंचते हैं या फिर परिवार ही बदनामी के डर से उसे दबा देता है। बच्चों को यौन शोषण से बचाने के लिए नौ साल पहले पॉक्सो कानून बनाया गया था। सवाल यह है कि क्या कानून अपने उद्देश्य को पूरा करने में सफल रहा है? 2016 से 2020 तक (एनसीआरबी) की रिपोर्ट के अनुसार, रिपोर्ट किए गए बाल यौन शोषण के मामलों की संख्या 2016 में 36321 से बढक़र 2020 में 47 हजार से अधिक हो गई। यह 31 प्रतिशत की वृद्धि है। विशेषज्ञों के अनुसार यह संख्या भी हिमखंड का सिरा मात्र है। एनसीआरबी की 2020 की रिपोर्ट में कहा गया है कि बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों में से सिर्फ 36 फीसदी ही पॉक्सो के तहत दर्ज होते हैं। बदलती तकनीक और इसके दुरुपयोग के साथ तालमेल रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय कानूनों की विफलता की जांच करने वाले अधिकार समूह 'इक्वालिटी नाउ' का कहना है कि संभावित पीड़ितों को लक्षित करने के लिए शिकारी तेजी से सोशल मीडिया और ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म का उपयोग कर रहे हैं।

इक्वालिटी नाउ के मुताबिक अपराधी गुमनाम तरीके से काम करते हैं और वे बहुत सीमित विनियमन के तहत काम करते हैं। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि ये बच्चियों के माता-पिता के मन का सबसे बड़ा डर जरूर है। यह कटु सत्य है कि हमारे देश में कुछ लोग लड़कियों की शिक्षा को लेकर बहुत उत्सुक नजर नहीं आते। कहीं मां-बाप अपनी बच्चियों को घर से ज्यादा दूर भेजना नहीं चाहते, क्योंकि वे उनकी सुरक्षा को लेकर आश्वस्त नहीं रहते। तो कहीं वे उनकी पढ़ाई पर खर्च को फिजूल मानते हैं। कहीं घर की सोच सिर्फ लडक़ों को पढने् की आजादी देती है, तो कभी कहीं किसी लडक़ी के साथ हुई शोषण-उत्पीडन् की घटनाएं बाकी लड़कियों को भी घर में कैद होने को मजबूर कर देती हैं। अक्सर गांव के स्कूलों में लड़कियां शिकायत को भी आगे इसलिए नहीं आती क्योंकि उन्हें डर होता है कि उनकी पढ़ाई छूट जाएगी। फिर उनके लिए घर के चूल्हा-चौके से बाहर निकलने का यही एक रास्ता भी होता है। उनकी आवाज भी कई बार 'इज्जत' के नाम पर दबा दी जाती है। पॉक्सो यानी यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण कानून हमारे यहां बहुत मजबूत है, बावजूद इसके किसी में इसका डर नहीं है क्योंकि लड़कियों की स्थिति हर किसी को पता है, जो कभी डर तो कभी लालच से इन घटनाओं को छिपाने को मजबूर हो जाती हैं। गांव के स्कूलों में तो गुड टच-बैड टच किसी तरह की जागरूकता भी नहीं है। जब तक कोई बड़ी घटना सामने नहीं आती, कोई हलचल तक नहीं होती। और ऐसा भी नहीं कि इसका सिर्फ एक व्यक्ति जिम्मेदार है। यह पूरा सांठगांठ का एक खेल होता है जिसमें नीचे से लेकर ऊपर तक कई लोगों का हाथ होता है और कई बार तो शासन-प्रशासन की संलिप्तता भी देखने को मिलती है। इस ओर सरकार और महिला आयोग का ध्यान बिल्कुल ही नहीं जाता, जब तक कुछ बड़ा नहीं हो जाता। क्या इस बात का जवाब दे सकते हैं कि जब बेटी स्कूल में ही सुरक्षित नहीं है तो पढ़ाई कैसे करेगी? हम खुद को भले ही कितना आगे बढ़ता हुआ देखें, भले ही हमने चांद पर कदम रख लिया हो, चाहे क्यों न हमने पृथ्वी के साथ मंगल ग्रह में भी अपना परचम फहरा दिया हो, लेकिन जब तक देश की बेटी ही सुरक्षित न हो तो ऐसे देश के विकासशील होने का भला क्या फायदा। गौरतलब है कि कई बार स्कूल से लेकर विश्वविद्यालयों तक लड़कियों ने अकेले और सामूहिक रूप से यौन शोषण के खिलाफ आवाज बुलंद की है।

हालांकि यह हिम्मत हर स्कूल और कॉलेज परिसर में देखने को नहीं मिलती। सच्चाई की तह तक जाएं तो कहीं न कहीं स्कूल की सुरक्षा व्यवस्था पर यह प्रश्नचिह्न उठाया जा सकता है। इसलिए लड़कियों के ड्रॉपआउट को कम करने के लिए सबसे पहले सुरक्षा के पुख्ते इंतजाम के साथ ही अपराधियों पर सख्त कार्रवाई की भी जरूरत है, जिससे लड़कियों के हौसले बुलंद हो सकें, मां-बाप भी निश्चिंत हो सकें और लड़कियां अपनी पढ़ाई पूरी कर आजादी से जीवन जी सकें। कन्या पूजन के इस देश में स्कूल छात्राओं के यौन शोषण के अपराधियों को सख्त से सख्त सजा भी कम ही है।

-डा. वरिंद्र भाटिया
कालेज प्रिंसीपल

राशिफल

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष : चतुर्थी | **(विक्रम संवत् 2081)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान की स्थिति थोड़ी मध्यम है। व्यापार बहुत अच्छा है। कोटज़ कचहरी में विजय मिलेगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
भाग्य साथ देगा। रोजी-रोजगार में तरक्की करेंगे। स्वास्थ्य अच्छा है। प्रेम, संतान भी अच्छा है लेकिन थोड़ा प्रेम संतान पर ध्यान रखिएगा।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम, संतान अच्छा। थोड़ा परिस्थितियां प्रतिकूल हैं। चोट चपेट लग सकती है। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
बहुत अच्छा समय। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार अच्छा। नौकरी चाकरी की स्थिति अच्छी।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
शत्रुओं पर भारी पड़ेंगे। शत्रु भी मित्रवत व्यवहार करेंगे। स्वास्थ्य, प्रेम, व्यापार बहुत अच्छा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
भावुक होकर कोई निणज़्य मत लीजिएगा। प्रेम में चंचलता ठीक नहीं रहेगा। अदरवाइज लॉयल्टी खोएंगे। विश्वास खोएंगे।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
भूमि, भवन, वाहन की खरीदारी के प्रबल योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य अच्छा। प्रेम, संतान अच्छा। व्यापार बहुत अच्छा।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ होगी। अपनों का साथ होगा। स्वास्थ्य अच्छा, प्रेम, संतान अच्छा, व्यापार अच्छा।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ढा, भे)
धन आगमन होगा। कुटुंबों में वृद्धि होगी। मुंह से आपके जुबान इतने मधुर निकलेंगे, शहद के साथ निकलेगा।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
ओजस्वी तेजस्वी बने रहेंगे। आकषज़्ण के केंद्र बने रहेंगे। नायक नायिका की तरह चमकेंगे।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। पुराने स्त्रोत से भी पैसे आएंगे। यात्रा का योग बनेगा।

मीन- (दी, दु, झ, थ, दे, दो, च, चा, चि)
आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। पुरानी स्त्रोत से भी पैसे आएंगे। शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। प्रेम संतान अच्छा रहेगा।

किसानों के साथ बर्बरता बर्दाश्त नहीं : बलराज

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। सयुंक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में गौतमबुद्धनगर के किसानों का तीनों प्राधिकरण से अपने हक और अधिकार के लिए दलित प्रेरणा स्थल पर शान्तिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रहे किसानों पर पुलिस प्रशासन ने निहत्थे किसानों व बुजुर्ग महिलाओ पर लाठीचार्ज और पुलिस बल का प्रयोग कर किसानों को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया जिसकी भारतीय किसान यूनियन (बलराज) कडी निंदा की है।

भारतीय किसान यूनियन(बलराज) के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने किसानों के साथ हुए बर्बरतापूर्ण रवैए और गिरफ्तारी को लेकर राष्ट्रीय कैम्प कार्यालय पर आपातकालीन बैठक बुलाई। बैठक की भनक जैसे ही पुलिस-प्रशासन को लगी तो कैमराला चक्रसैनपुर स्थित राष्ट्रीय कैम्प कार्यालय को पुलिस प्रशासन ने छावनी की तरह तब्दील कर दिया राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने भारी तादाद में कार्यकर्ताओं के साथ जीरो पॉइन्ट ग्रेटर नोएडा के लिए कूच कर दिया। पुलिस-प्रशासन ने राष्ट्रीय कैम्प कार्यालय के बाहर रोड को गाड़ियां लगाकर जाम कर दिया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी अपने कार्यकर्ताओ के साथ पैदल कूच करने लगे तो पुलिस प्रशासन ने उन्हें रोक दिया और एसीपी ग्रेटर नोएडा और एसडीएम दादरी राष्ट्रीय कैम्प कार्यालय पर मय फोर्स पहुंची और कार्यकर्ताओ को समझाने का प्रयास और अनुरोध किया संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर के नाम ज्ञापन एसडीएम दादरी को सौंपा और ज्ञापन के माध्यम से तत्काल किसानों की बिना शर्त रिहाई की मांग की गयी और किसानों की समस्याओ के निस्तारण की मांग उठाई गई एसडीएम दादरी और एसीपी के किसानों को शाम तक रिहाई के आश्वासन पर कार्यकर्ताओ ने 24 घन्टे के लिए कूच के कार्यक्रम को स्थगित कर दिया राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने पुलिस प्रशासन और जिला प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा है कि पुलिस-प्रशासन किसानों की आवाज को दबाने का काम ना करें पुलिस बल का प्रयोग कर किसानों के संवैधानिक अधिकारों का हनन ना करें अन्यथा भारतीय किसान यूनियन (बलराज) देशव्यापी आन्दोलन करेगी।

इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष महिला मोर्चा राष्ट्रीय अध्यक्ष रेखा सिवाल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष रोहित भाटी,राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एडवोकेट विजय प्रताप सिंह, राष्ट्रीय कार्यकारणी सदस्य जितेन्द्र सिंह,राष्ट्रीय सगंठन मन्त्री आमिल, प्रदेश अध्यक्ष हातम सिंह भाटी, प्रदेश अध्यक्ष युवा विपिन खारी, प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश भडाना, प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा शकीना खान, प्रदेश सचिव यामीन अंसारी,प्रदेश संगठन मन्त्री डाक्टर संजीव भाटी, प्रदेश उपाध्यक्ष प्रशान्त नेता, जिलाध्यक्ष गौतमबुद्धनगर योगेश वैष्णव, जिलाध्यक्ष बुलन्दशहर, हेमन्त पडिंत, जिलाध्यक्ष मुरादाबाद फहीम मंसूरी ,जिला संगठन मन्त्री रिंकू भडाना, मेरठ जिलाध्यक्ष युवा मोर्चा शिवम वैष्णव ,जिला उपाध्यक्ष मनवर अली, जिला उपाध्यक्ष महकार भाटी, जिला उपाध्यक्ष जयकार भाटी, महासचिव हरेन्द्र भाटी, नोएडा महानगर उपाध्यक्ष मदन भाटी, प्रदीप बैरागी, रवीन्द्र बैरागी,प्रशान्त खारी, राजू, जिला उपाध्यक्ष डाक्टर खालिद, आदि सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

योगेश वैष्णव बने भाकियू (बलराज) के नये जिलाध्यक्ष

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। भारतीय किसान यूनियन (बलराज) के नोएडा महानगर अध्यक्ष योगेश वैष्णव को संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बलराज भाटी ने अब गौतमबुद्धनगर का नया जिला अध्यक्ष मनोनीत किया है।

बताते चलें कि इसके पूर्व में योगेश वैष्णव नोएडा महानगर अध्यक्ष थे।

उन्होंने इस दौरान संगठन को मजबूती प्रदान करने का काम किया था इसको देखते हुए योगेश वैष्णव को भारतीय किसान यूनियन (बलराज) का जिला अध्यक्ष बनाया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आशा प्रकट करते हुए कहा है कि योगेश वैष्णव संगठन को पूरे जिले में और मजबूत करने काम करेंगे। योगेश वैष्णव को जिला अध्यक्ष बनने पर लोगों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

वहीं एक बातचीत के दौरान जिला अध्यक्ष योगेश ने कहा कि संगठन द्वारा जो जिम्मेदारी मुझे दी गई है वह उसे पूरी ईमानदारी किस निर्वहन करुंगा।

प्रोमेथियस स्कूल, नोएडा में इंटरैक्ट क्लब का उद्घाटन

नोएडा (चेतना मंच)। रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली ओखला सिटी ने प्रोमेथियस स्कूल, नोएडा में इंटरैक्ट क्लब की स्थापना की गई जो छात्रों में सामुदायिक सेवा और नेतृत्व कौशल को बढ़ावा देना है। इंटरैक्ट क्लब, रोटरी इंटरनेशनल की एक युवा पहल है, जो 12 से 18 वर्ष की आयु के छात्रों को सामाजिक सेवा परियोजनाओं में भाग लेने, नेतृत्व कौशल विकसित करने और समाज में सकारात्मक योगदान देने के लिए सशक्त बनाता है। यह मंच छात्रों को स्थानीय और वैश्विक मुद्दों को हल करने में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करता है।

कार्यक्रम में सामैरा राणा को इंटरैक्ट क्लब की पहली अध्यक्ष के रूप में चुना गया, साथ ही अन्य पदाधिकारियों की भी घोषणा की गई। यह पहल रोटरी क्लब के अध्यक्ष कुशाग्र अवस्थी और प्रोमेथियस स्कूल के चेयरमैन मुकेश शर्मा के संयुक्त प्रयास से संभव हुई। इस अवसर पर स्कूल के निदेशक एलेक्ज़ेंडर अब्राहम, रोटरी क्लब के सचिव दीपक छाबड़ा, और अन्य रोटरी सदस्य भी उपस्थित थे। इस अवसर पर कुशाग्र अवस्थी ने कहा कि इंटरैक्ट क्लब की स्थापना छात्रों को सामाजिक जिम्मेदारी के क्षेत्र में कदम रखने और अपने नेतृत्व कौशल को निखारने का अवसर प्रदान करती है।

जनता का संघर्ष रंग लाया गिरफ्तार नेता हुए रिहा

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अधिग्रहित जमीन के बदले किसानों को 10 प्रतिशत जमीन वापस करने, 64 प्रतिशत अतिरिक्त मुआवजा राशि का भुगतान, भूमि अधिग्रहण 2013 कानून का लाभ, भूमिहीन किसानों को आवासीय भूखंड, बेरोजगारों को रोजगार, स्कूलों और अस्पतालों में किसानों के परिवारों को प्राथमिकता आदि की लंबित मांगों/ समस्याओं को लेकर चल रहे आंदोलन को दबाने के उद्देश्य कल दलित प्रेरणा स्थल से सैकड़ो किसानों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया, जिसके विरोध में संयुक्त किसान मोर्चा द्वारा आज जीरो पॉइंट ग्रेटर नोएडा पर किसान महापंचायत का आयोजन किया गया।

किसान महापंचायत का समर्थन करते हुए सीटू जिलाध्यक्ष गंगेश्वर दत्त शर्मा, सचिव रामस्वारथ के नेतृत्व में सैकड़ो सीटू कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इसी तरह जनवादी महिला समिति की जिला प्रभारी आशा यादव, जिलाध्यक्ष रेखा चौहान, कोषाध्यक्ष गुड़िया देवी के नेतृत्व में सैकड़ो महिला कार्यकर्ताओं ने महापंचायत में हिस्सा लिया तथा विभिन्न किसान संगठनों के नेतृत्व में जनपद गौतमबुद्धनगर में आसपास के जिलों के किसान व महिलाएं भारी संख्या में किसान महापंचायत में पहुंचे। महापंचायत को संबोधित करने आ रहे भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय नेता राकेश टिकैत को ट्रिपल जेवर एक्सप्रेस वे पर हिरासत में लिया गया।

जनता के आक्रोश को भांपकर कर जिला प्रशासन ने गिरफ्तार किसानों को रिहा करना पड़ा। रिहा होकर महापंचायत में पहुंचे किसान नेता डॉ. रुपेश वर्मा, सुखबीर खलीफा, सुनील फौजी, व अन्य नेताओं ने महापंचायत को संबोधित करते हुए ऐलान किया कि धरना पुनः दलित प्रेरणा स्थल से ही शुरू होगा और किसानों को उनका हक दिलाए बिना हम घर वापस नहीं होंगे।

महापंचायत को किसान सभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व सांसद कामरेड हनान मौला, राष्ट्रीय महासचिव बीजू कृष्णन वित सचिव कृष्णा प्रसाद, भारतीय किसान यूनियन के नेता गौरव टिकैत सहित किसान संगठनों के विभिन्न नेताओं ने संबोधित किया।

पृष्ठ एक के शेष....

किसान नेता फिर...

मुखिया सहित 10 अन्य लोगों को उनके घरों से गिरफ्तार किया गया है। किसान नेताओं को जेल भेजने के विरोध में एक बार फिर किसान और पुलिस प्रशासन के बीच टकराव की स्थिति बन सकती है।

यह धरना भारतीय किसान यूनियन (भाकियू) द्वारा बुलाए गए पंचायत के बाद आयोजित किया गया था। पुलिस की अचानक की गई कार्रवाई से वहां मौजूद किसानों में अफरा-तफरी मच गई। कई किसान नेताओं को पुलिस ने फिर गिरफ्तार कर लिया है।

संयुक्त किसान मोर्चा के नेतृत्व में किसान स्थानीय भूमि अधिग्रहण से जुड़े मुद्दों, मुआवजे की विसंगतियों और अपने अधिकारों को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उनका कहना है कि जब तक सरकार उनकी मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं करती, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

किसानों की गिरफ्तारी के बाद क्षेत्र में तनाव का माहौल है। आक्रोश की चिंगारी गांव-गांव में फैल गई है। किसान नेताओं का कहना है कि प्रशासन किसानों की आवाज दबाने की कोशिश कर रहा है। भारतीय किसान यूनियन के प्रवक्ता ने इसे लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन बताते हुए कहा कि वे अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। हालांकि गिरफ्तारी के बाद से कई किसान नेता भूमिगत हो गए हैं और आंदोलन की नई रणनीति पर चर्चा कर रहे हैं। भाकियू ने ऐलान किया है कि वे जल्द ही बड़े स्तर पर नए विरोध प्रदर्शन की घोषणा करेंगे।

बड़ा खुलासा : बाबा...

लेकिन सलमान की कड़ी सुरक्षा के कारण शूटर सलमान तक नहीं पहुंच सके। सलमान को लगातार मिल रही धमकियों की वजह से उन्हें हाई सिक्योरिटी दी गई है। एक्टर हमेशा सुरक्षा घेरे में ही कहीं भी आते जाते हैं।

बीते दिन ही खबर आई थी कि सलमान की शूटिंग साइट पर एक अनजान शख्स ने अवैध तरीके से प्रवेश किया था। संदिग्ध पाए जाने पर जब उससे पूछताछ की गई तो शख्स ने कहा- बिश्नोई को बोलूं क्या? इसके बाद उसे पूछताछ के लिए तुरंत शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन ले जाया गया। सलमान की शूटिंग दादर वेस्ट में चल रही थी। मौजूदा लोगों के मुताबिक, सलमान का कोई फैन था जिसे शूटिंग देखनी थी, सिक्योरिटीज के रोकने पर झगड़ा हुआ और उसने गुस्से में लॉरेंस बिश्नोई का नाम लिया।

प्राधिकरण के अधिकारी व...

कि अगर कोई भी शख्स प्राधिकरण दफ्तर के अंदर किसी से अभ्रदता करता है तो उसका सभी कर्मचारी मिलकर विरोध करेंगे। प्राधिकरण दफ्तर के बाहर अगर कोई घटनाक्रम होता है तो उसमें एसोसिएशन हस्तक्षेप नहीं करेगी।

सुरेश खन्ना बने जिला...

मंडल तथा जिला व महानगर अध्यक्षों को लेकर चुनावी कवायद चल रही है। इसके पूर्व सभी जनपदों व महानगरों के लिए चुनाव अधिकारी नियुक्त कर दिए गए थे। अब उप्र में निष्पक्ष सांगठनिक चुनाव कराने के लिए 36 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गयी है।

नृशंस हत्या के पांच...

अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मामले को गंभीर और जघन्य मानते हुए दोषियों को उम्रकैद की सजाई है।

गिरफ्तारी के विरोध में...

नोएडा युवा महानगर अध्यक्ष जीशान चौधरी, अंश बैरागी,राजू चौहान, सोशल मीडिया गौतमबुद्धनगर जिलाध्यक्ष मोहम्मद गुलफाम, महिला उपाध्यक्ष वीरो देवी,एन सी आर युवा प्रदेश उपाध्यक्ष परवेज,प्रदेश संयोजक राम कुमार शर्मा, सैक्टर पंडित श्याम दीक्षित,आर के प्रथम,सलमा बेगम, नसीम, जावेद खान,हैदर अली, प्रेम, विनोद, इकरार, सुमित,सलीना खातून,बशीदा खातून,नबीसा खातून व अन्य लोग मौजूद रहे।

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने बीएफएल इन्फोटेक लि. सी-9, सेक्टर-3, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200

Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com

raghuvanshirampal365@gmail.com

raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in

www.chetnamanch.com

उन्नाव रेप कांड में कुलदीप सेंगर को बड़ी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। उन्नाव रेप कांड मामले में जेल में बंद भाजपा के पूर्व विधायक कुलदीप सिंह सेंगर को दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ी राहत मिली है। गुरुवार को कोर्ट ने सेंगर की अंतरिम जमानत मंजूर कर दी है। सेंगर को मेडिकल आधार पर दो हफ्ते की अंतरिम जमानत दी गई है।

आपको बता दें कि भाजपा से निष्कासित नेता कुलदीप सिंह सेंगर साल 2017 में उन्नाव में नाबालिग लड़की का अपहरण और उसका दुष्कर्म करने के लिए आजीवन कारावास की सजा काट रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने पीड़िता और अन्य लोगों को एक अगस्त 2019 को सीआरपीएफ की सुरक्षा देने का आदेश दिया था। कोर्ट ने घटना के संबंध में दर्ज सभी पांच मामलों को लखनऊ की अदालत से दिल्ली की एक अदालत में स्थानांतरित कर दिया था। साथ ही उत्तर प्रदेश सरकार को पीड़िता को 25 लाख रुपये देने का भी आदेश दिया था।

खास खबर

मथुरा के नंदगांव में यदुवंशी भगवान श्रीकृष्ण को जाट बताने पर बवाल, केस दर्ज

मथुरा, एजेंसी। मथुरा जिले के नंदगांव के बाजार और आम घरों की दीवारों पर 'नंदगांव का इतिहास' नाम से जगह-जगह भगवान श्रीकृष्ण की जाति 'जाट' लिखवा देने के बाद बवाल हो गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उप-जिलाधिकारी (एडीएम) के निर्देश पर नगर पंचायत की ओर से प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक भगवन श्रीकृष्ण को यदुवंशी माना जाता है। किसी ने पिछले दिनों दीवारों पर नंदगांव का इतिहास शीर्षक से जगह-जगह भगवान श्रीकृष्ण को 'जाट जाति से संबंधित बताया है। पुलिस के मुताबिक जगह-जगह नंदगांव का इतिहास शीर्षक से लिखी बातों के अंत में कुंवर सिंह का नाम और एक फोन नंबर दर्ज था। लोगों ने जब उस नंबर पर फोन कर संपर्क करना चाहा तो या तो वह नंबर बंद मिला या फिर घंटी गई तो किसी ने फोन ही नहीं उठाया। एडीएम श्वेता सिंह के निर्देश पर नगर पंचायत के लिपिक रामजीत ने तथाकथित कुंवर सिंह के खिलाफ भगवान श्रीकृष्ण के बारे गलत जानकारी देने तथा लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने को लेकर मंगलवार को एक प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस कथित आरोपी की तलाश में जुट गई है। बरसाना थाना के प्रभारी निरीक्षक (एसएचओ) अरविंद कुमार निर्वाल ने बताया कि नगर पंचायत के लिपिक की तहरीर के आधार पर संबंधित धाराओं में प्राथमिकी दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है। उन्होंने कहा कि अभी उक्त व्यक्ति की पहचान या उसके ठिकाने की कोई जानकारी नहीं मिली है। उसके द्वारा प्रसारित फोन नंबर भी बंद आ रहा है। निर्वाल ने बताया कि दूरसंचार कंपनी से उक्त फोन नंबर के लिए जमा कराए गए दस्तावेजों के आधार पर आरोपी की पहचान करने की कोशिश की जाएगी। एसएचओ ने बताया कि नगर पंचायत ने सभी जगह से टिप्पणी मिटवा दी है।

तिरुपति मंदिर के पास बन रहा मुमताज होटल, हिंदू संगठनों ने किया विरोध प्रदर्शन

तिरुपति, एजेंसी। हिंदू चैतन्य समिति और अन्य हिंदू संगठनों के सदस्यों ने मंगलवार को तिरुपति के श्री वेंकटेश्वर जूलॉजिकल पार्क के पास मुमताज होटल के निर्माण को तुरंत रोके जाने की मांग को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने तातानगर स्थित टाउन डेवलपमेंट अथॉरिटी कार्यालय के सामने प्रदर्शन किया। संगठन के लोग हाथों में तख्तियां पकड़े हुए थे और शंखनाद करते हुए विरोध व्यक्त कर रहे थे। विरोध प्रदर्शन करने वालों में शामिल स्वामी श्रीनिवासनंद ने कहा कि वे तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) बोर्ड के उस निर्णय का स्वागत करते हैं, जिसमें अलिपिरी के पास भूमि को वापस लेने का निर्णय लिया गया है। आपको बता दें कि यहां मुमताज होटल का निर्माण किया जा रहा था। उन्होंने आरोप लगाया कि इस निर्णय के बावजूद, साइट पर निर्माण कार्य जारी था और इसे तुरंत रोका जाना चाहिए। गौरतलब है कि टीटीडी बोर्ड ने 19 नवंबर को एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें राज्य सरकार से अलिपिरी के पास 20 एकड़ भूमि पर होटल निर्माण के लिए दी गई आवंटन रद्द करने की मांग की थी। बोर्ड ने कहा था कि यह भक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंचाएगा। 2021 में उस समय की वायएसआरसीपी-नेतृत्व वाली आंध्र प्रदेश सरकार ने तिरुपति में पर्यटन और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए 2020-2025 पर्यटन नीति के तहत बड़े पैमाने पर लग्जरी पर्यटन परियोजना के विकास का प्रस्ताव दिया था। सरकारी आदेश के अनुसार, मुमताज होटल परियोजना में 20 एकड़ में 100 लग्जरी विला शामिल थे, जिसमें 250 करोड़ रुपये की प्रारंभिक निवेश योजना थी।

शिवसेना यूबीटी अब हिंदुत्व का एजेंडा घर घर ले जाने की तैयारी कर रही

मुंबई, एजेंसी। एमवीए यानी महाविकास अघाड़ी में शामिल शिवसेना यूबीटी अब हिंदुत्व का एजेंडा घर घर ले जाने की तैयारी कर रही है। पार्टी ने यह फैसला बृह्नमुंबई महानगर पालिका चुनाव से पहले उठाया है। नवंबर में संपन्न हुए महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में पार्टी महज 20 सीटें ही जीत सकी थी। कहा जा रहा है कि शिवसेना यूबीटी के कई नेता अब एमवीए से अलग होकर चुनाव लड़ने का सुझाव दे रहे हैं। खबर है कि मंगलवार को पार्टी अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने पूर्व पार्षदों को बीएमसी चुनावों की तैयारी शुरू करने के लिए कहा है। सूत्रों के हवाले से कहा जा रहा है कि उद्धव ने पूर्व पार्षदों से भाजपा और महायुति की उस बात का विरोध करने के लिए कहा है, जिसमें दावा किया जाता है कि शिवसेना यूबीटी ने हिंदुत्व विचारधारा छोड़ दी है। अखबार के अनुसार, एक पूर्व पार्षद ने कहा, उन्होंने हमें कहा है कि शिवसेना यूबीटी हमेशा हिंदुत्व के लिए काम कर रही थी और हमेशा करती रहेगी, लेकिन विपक्ष ने गलत बात फैला दी कि हमने हिंदुत्व छोड़ दिया है। उन्होंने हमें हिंदुत्व का एजेंडा लोगों तक ले जाने के लिए कहा है। शिवसेना यूबीटी प्रमुख ने नेताओं से मुंबई की 36 विधानसभाओं में फैले 227 वार्डों में तैयारी शुरू करने के लिए कहा है। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा है कि अधिकांश पूर्व पार्षद चाहते हैं कि शिवसेना यूबीटी को बीएमसी चुनावों में किसी गठबंधन का हिस्सा नहीं होना चाहिए। खबर है कि उद्धव ने पहले उन्हें जमीन पर काम शुरू करने के लिए कहा है। पार्टी ने मुंबई में चुनाव की तैयारियों के लिए विधायकों, नेताओं, सचिवों और संयोजकों को भी नियुक्त कर दिया है। शिवसेना के एक पदाधिकारी का कहना है कि निकाय चुनावों के लिए 18 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है।

पश्चिम बंगाल विधानसभा में ध्वनिमत से पारित किया गया वक्फ बिल वापसी का प्रस्ताव

कोलकाता, एजेंसी। वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 को संसद से वापस लेने का आग्रह करने संबंधी एक प्रस्ताव मंगलवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा में ध्वनिमत से पारित कर दिया गया, जबकि भाजपा विधायकों ने इसका विरोध करते हुए बहिर्गमन किया। मंत्री शोभनदेब चट्टोपाध्याय द्वारा पेश प्रस्ताव में दावा किया गया कि यदि यह विधेयक पारित हो जाता है तो इससे देश में वक्फ प्रशासन प्रभावित होगा और इसलिए मौजूदा कानून में इस तरह का कोई भी बड़ा बदलाव करने से पहले अत्यधिक सावधानी बरतने की आवश्यकता है।

प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान भाजपा सदस्यों ने विधानसभा से वाकआउट किया। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने कहा कि यह प्रस्ताव सदन के कीमती समय की बर्बादी है, क्योंकि वक्फ (संशोधन) विधेयक की जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) का गठन किया गया है और इसका कार्यकाल हाल ही में 2025 में संसद के बजट सत्र के अंतिम दिन तक बढ़ा दिया गया है।

अधिकारी ने दावा किया कि जेपीसी, जिसमें तृणमूल कांग्रेस के दो सांसद सहित अन्य विपक्षी सांसद भी शामिल हैं, द्वारा अपनी रिपोर्ट सौंपे जाने तक विधेयक पर कुछ भी टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी। भाजपा विधायक ने दावा किया कि यह प्रस्ताव वोट बैंक की राजनीति को बढ़ावा देने के उद्देश्य से लाया गया है। प्रस्ताव के समर्थन में, चट्टोपाध्याय ने कहा कि विधेयक में केंद्रीय वक्फ परिषद और विभिन्न राज्य वक्फ बोर्ड की संरचना को संशोधित करने का प्रावधान है, जिससे मुस्लिम प्रतिनिधित्व काफी कम हो जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार ने ''राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों के साथ किसी भी परामर्श के बिना कानून बनाने की दिशा में कदम उठाया है।'' भाजपा नेता ने यह भी दावा किया कि मुसलमानों के अधिकारों में कोई हस्तक्षेप नहीं किया गया है और केंद्र उनके लाभ के लिए वक्फ संपत्तियों का डिजिटलीकरण करना चाहता है।

सोमवार को प्रस्ताव पर दो दिवसीय चर्चा में भाग लेते हुए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने विधेयक को लेकर भाजपा के नीत केंद्र सरकार की आलोचना की थी और उस पर मुसलमानों को निशाना बनाने का आरोप लगाया था। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ने केंद्र पर मुसलमानों को निशाना बनाकर ''विभाजनकारी एजेंडा'' चलाने का आरोप लगाया था और सवाल किया था कि क्या भाजपा संसद में विधेयक पारित कर पाएगी क्योंकि उसके पास ''दो-तिहाई बहुमत नहीं है।

मंगलवार को, नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी द्वारा सदन में प्रस्ताव का विरोध किये जाने के बाद भाजपा विधायकों ने बहिर्गमन किया। बाद में मंत्री शोभनदेव चटोपाध्याय द्वारा जवाब दिये जाने के बाद ध्वनि मत से प्रस्ताव को पारित कर दिया गया। लोकसभा ने 28 नवंबर को वक्फ (संशोधन) विधेयक पर विचार कर रही संसद की संयुक्त समिति का कार्यकाल अगले साल बजट सत्र के आखिरी दिन तक के लिए बढ़ाने को मंजूरी दी थी। समिति के अध्यक्ष जगदम्बिका पाल ने वक्फ (संशोधन) विधेयक संबंधी संसद की संयुक्त समिति का प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का समय बजट सत्र, 2025 के आखिरी दिन तक बढ़ाने का प्रस्ताव सदन में पेश किया, जिसे ध्वनिमत से स्वीकृति प्रदान की गई थी।

सरकार ने वक्फ बोर्ड को नियंत्रित करने वाले कानून में संशोधन से संबंधित विधेयक गत आठ अगस्त को लोकसभा में पेश किया था जिसे सत्तापक्ष एवं विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक एवं चर्चा के बाद संयुक्त समिति को भेजने का फैसला किया गया था। इस विधेयक में वर्तमान अधिनियम में दूरगामी बदलावों का प्रस्ताव किया गया है, जिनमें वक्फ बोर्ड में मुस्लिम महिलाओं और गैर मुसलमानों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना भी शामिल है। वक्फ (संशोधन) विधेयक में वक्फ अधिनियम, 1995 का नाम बदलकर 'एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तीकरण, दक्षता और विकास अधिनियम, 1995' करने का भी प्रावधान है।

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने दिल्ली के गंभीर वायु प्रदूषण पर चिंता जताई

मुंबई, एजेंसी। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को दिल्ली के गंभीर वायु प्रदूषण पर चिंता जताई।

उन्होंने कहा कि हर बार राजधानी में आने से पहले वह सोचते हैं कि यहां आना चाहिए या नहीं। गडकरी ने कहा, अगर मैं दो दिन दिल्ली में रहता हूं तो मुझे संक्रमण हो जाता है। हर बार दिल्ली आते हुए लगता है कि जाना चाहिए या नहीं। इतना भयंकर प्रदूषण है। गडकरी ने यह बयान ऊर्जा संक्रमण और टिकाऊ सड़क परिवहन पर आयोजित एक कार्यक्रम में दिया। उन्होंने एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि दिल्ली का गंभीर वायु प्रदूषण यहां के लोगों के जीवन को बुरी तरह प्रभावित करता है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रदूषण के प्रति जागरूकता की कमी अभी भी बनी हुई है। उन्होंने गांवों से दिल्ली, मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे बड़े शहरों की ओर हो रहे बड़े पैमाने पर पलायन को कई समस्याओं का कारण बताया। गडकरी ने कहा, दिल्ली में कई जगह पानी बहता दिखता है, लेकिन वह केवल सीवेज का पानी है।

प्रदूषण कम करने के सुझाव : गडकरी ने कहा कि वायु प्रदूषण को कम करने का सबसे अच्छा तरीका जीवाश्म ईंधन (फॉसिल फ्यूल) के उपयोग को घटाना और बायो-सीएनजी और अन्य वैकल्पिक ईंधनों को अपनाना है।

कूड़े के ढेर पर भी बिफरे : गडकरी ने दिल्ली के चार पुराने लैंडफिल साइट्स को पर्यटक स्थल करार देते हुए कहा कि यह स्थिति शहर के लिए शर्मनाक है। उन्होंने कहा, पिछले चार वर्षों में इन स्थलों के प्रोसेस्ड मटीरियल का उपयोग राजमार्ग परियोजनाओं में करने की कोशिश की, लेकिन संबंधित एजेंसियों ने कई मुद्दे उठाए जिनमें कचरे का पृथक्करण (सेग्रेगेशन) भी शामिल है। गडकरी ने जानकारी दी कि अब तक इन कचरा स्थलों से 80 लाख टन प्रोसेस्ड मटीरियल का उपयोग राजमार्ग परियोजनाओं में किया जा चुका है। उन्होंने यह भी बताया कि सोमवार को उन्होंने दिल्ली नगर निगम आयुक्त और अन्य अधिकारियों के साथ बैठक की थी। एमसीडी ने कचरे के पृथक्करण और प्रोसेसिंग के लिए निविदाएं (बिड्स) जारी की हैं। नितिन गडकरी के इस बयान ने दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण और कचरा प्रबंधन की विफलताओं की ओर ध्यान आकर्षित किया है।

पंजाब में सरकारी नौकरियां मिलने से बागों-बाग हुए युवा, घटा विदेश जाने का रुझान

जालंधर, एजेंसी। पंजाब सरकार ने प्रदेश के युवाओं के लिए सरकारी नौकरियों में पारदर्शिता और निष्पक्षता को सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। अब युवाओं को बिना किसी रिश्वत या सिफारिश के सरकारी नौकरियों में स्थान मिल रहा है, जिससे राज्य के युवाओं में खुशी का माहौल है। इसके साथ ही पंजाब के युवाओं में विदेश जाने का रुझान भी घटता हुआ दिखाई दे रहा है। पंजाब सरकार ने सरकार की नौकरियों में पारदर्शिता सुनिश्चित की है, जिससे अब युवाओं को बिना किसी पक्षपाती प्रभाव के नौकरी मिल रही है। इसके परिणामस्वरूप पंजाब के युवा इस बदलाव को लेकर बेहद खुश हैं और पंजाब सरकार का धन्यवाद कर रहे हैं। यह कदम राज्य के युवाओं के लिए आत्मनिर्भर बनने का एक बड़ा अवसर लेकर आया है, जो पहले नौकरी पाने के लिए सिफारिश या रिश्वत का सहारा लेते थे। अब वे पूरी तरह से योग्यता और पारदर्शिता के आधार पर नौकरी पा रहे हैं। पंजाब में बढ़ती सरकारी नौकरियों के कारण अब अधिक युवा विदेश जाने की बजाय अपने ही राज्य में स्थिर जीवन की ओर रुख कर रहे हैं। पहले पंजाब के युवा विदेशों में नौकरी करने के लिए कर्ज लेकर या अन्य कारणों से जाते थे। अब वे अपनी मेहनत और सरकारी नौकरियों के माध्यम से राज्य में ही बेहतर जीवन बनाने की ओर अग्रसर हैं।

मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की पत्नी से जुड़े भूखंड मामले में अनियमितता के सबूत मिले, ईडी का दावा

नई दिल्ली/बेंगलुरु, एजेंसी। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को मैसुरु शहर विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) द्वारा कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया की पत्नी बीएम पार्वती को 14 भूखंडों आवंटित करने के मामले में कई अनियमितताओं के सबूत मिले हैं। केंद्रीय एजेंसी ने यह जानकारी दी। संघीय एजेंसी ने हाल में कर्नाटक लोकायुक्त विभाग को भेजे गए एक पत्र में यह भी दावा किया कि उसकी जांच में यह भी पता चला है कि एमयूडीए ने बेनामी और अन्य ऐसे लेनदेन में कुल 1,095 भूखंडों को अवैध रूप से आवंटित किया है।

राजनीतिक रूप से संवेदनशील मामले में प्रवर्तन निदेशालय की धन शोधन जांच के दौरान पार्वती को भूमि आवंटन में वैधानिक दिशा-निर्देशों के उल्लंघन व साक्ष्यों से छेड़छाड़, कार्यालय प्रक्रियाओं का उल्लंघन, अनुचित पक्षपात और प्रभाव का उपयोग और हस्ताक्षरों में जालसाजी के सबूत मिले हैं। एजेंसी ने यह भी दावा किया है कि उसे इस बात के सबूत मिले हैं कि सिद्धरमैया के निजी सहायकों में से एक एस. जी. दिनेश कुमार उर्फ सीटी कुमार ने इस प्रक्रिया में अनुचित प्रभाव डाला था। आधिकारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, पार्वती मामले के साथ ही एमयूडीए में कथित अवैध गतिविधियां समाप्त नहीं हुईं, बल्कि कुल 1,095 भूखंड अवैध रूप से आवंटित किए गए हैं जिनका बाजार मूल्य 700 करोड़ रुपये है। ईडी की जांच में पाया गया, अधिकांश आवंटन भूमि गंवाने वालों की आड़ में बेनामी या फर्जी व्यक्तियों के नाम पर किए गए हैं। इन अवैध आवंटनों के लाभार्थी रियल एस्टेट व्यवसायी और प्रभावशाली व्यक्ति हैं।

सिद्धारमैया, पत्नी, साले भी जांच के घेरे में : ईडी सिद्धरमैया, पार्वती, मुख्यमंत्री के साले मल्लिकार्जुन स्वामी, देवराजू व अन्य के खिलाफ धनशोधन की जांच कर रही है। देवराजू वह शख्स है जिससे मल्लिकार्जुन ने ज़मीन खरीदकर पार्वती को उपहार में दी थी। ईडी कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस की प्राथमिकी पर संज्ञान लेकर जांच कर रही है। ईडी ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत हाल में भेजे गए पत्र में लोकायुक्त को सूचित किया है कि यह स्पष्ट रूप से कहा जा सकता है कि वैधानिक दिशानिर्देशों का उल्लंघन करते हुए पार्वती को अवैध रूप से 14 भूखंड आवंटित किए गए। ईडी ने कहा कि जब पार्वती को ये भूखंड आवंटित किए गए थे तब उनके बेटे यतीन्द्र वरुणा निर्वाचन क्षेत्र के विधायक थे और इसलिए एमयूडीए बोर्ड के सदस्य थे। सिद्धरमैया तब विपक्ष के नेता थे। ईडी ने दावा किया है कि जांच में पाया गया कि मुख्यमंत्री के निजी सहायक एसजी दिनेश कुमार उर्फ सीटी कुमार ने एमयूडीए के कार्यालय में अनुचित प्रभाव डाला। ईडी ने पाया कि उन्होंने जाली हस्ताक्षर भी किए और पार्वती को भूखंडों के आवंटन की प्रक्रिया को प्रभावित किया। केंद्रीय एंजेंसी ने कहा कि उक्त भूखंडों को गलत तथ्यों और प्रभाव के आधार पर अवैध रूप से गैर-अधिसूचित किया गया था और बाद में भूमि को मल्लिकार्जुन स्वामी ने कृषि भूमि के रूप में खरीदा था जबकि भूमि पर एमयूडीए पहले ही कुछ निर्माण करा चुका था और देवराजू द्वारा स्वामी को भूमि बेचने से पहले ही जमीन आवंटित की गई थी। एजेंसी ने कहा कि हर्जाने के तौर पर भूखंडों का आवंटन करने के लिए वैधानिक नियमों का उल्लंघन (पार्वती से जुड़ी) एक बार की घटना नहीं थी, बल्कि इसमें रियल स्टेट कारोबारियों, प्रभावशाली व्यक्तियों और एमयूडीए के अधिकारियों की बीच गहरा गठजोड़ है। इस मामले में मुख्यमंत्री से लोकायुक्त पूछताछ कर चुका है। सिद्धरमैया ने कहा है कि उन्होंने और उनके परिवार ने कुछ भी गलत नहीं किया है।

सुक्खू सरकार 11 दिसंबर को करेगी तीन गारंटियों की शुरुआत, सत्ता में आने के दो साल का मनाएगी जश्न

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सुक्खू सरकार सत्ता में आने के दो साल पूरे होने पर 11 दिसंबर को बिलासपुर में एक भव्य समारोह आयोजित करेगी। इस मौके पर सुक्खू सरकार तीन गारंटियों की शुरूआत करेगी। यह तीन गारंटियां युवाओं, बेरोजगारों, किसानों और महिलाओं के हित में होंगी। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में मंगलवार को शिमला में आयोजित कांग्रेस विधायक दल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, प्रदेश अध्यक्ष प्रतिभा सिंह और अन्य वरिष्ठ नेता इस बैठक में शामिल हुए। यह बैठक प्रदेश में कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के दो साल पूरे होने के अवसर पर आयोजित की गई। इस दौरान पार्टी ने अपने दो वर्षों की उपलब्धियों को लेकर बिलासपुर में 11 दिसम्बर को होने वाले समारोह की तैयारियों पर चर्चा की। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि दो साल में कांग्रेस सरकार ने कर्मचारियों, पेंशनरों, किसान-बागवानों, महिलाओं और युवाओं के हित में कार्य किया है। ओपीएस बहाली, महिलाओं को 1500 रुपए सम्मान निधि, बेरोजगारों को 20 हजार नौकरियां और भ्रष्टाचार पर लगाम लगाई है। उन्होंने कहा कि समारोह वाले दिन युवाओं के लिए 680 करोड़ की राजीव गांधी ई-टैक्सी योजना, इंदिरा गांधी सुख शिक्षा योजना और गाय के गोबर की खरीद की योजना को बिलासपुर से लांच किया जाएगा। मुख्यमंत्री सुक्खू ने भाजपा को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि भाजपा झूठ पर झूठ पर बोले जा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने अपने पांच साल के कार्यकाल में धरातल पर एक भी काम नहीं किया। भाजपा ने कांग्रेस सरकार को भ्रष्टाचार और पेपर लीक दहेज में दिया, जिस पर सरकार ने नकेल कसी है। उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार की कारगुज़ारियों को बिलासपुर में होने वाले समारोह में जनता के बीच साझा किया जाएगा। कांग्रेस ने 2022 के विधानसभा चुनाव में प्रदेश की जनता को 10 गारंटियां दीं थीं। सरकार का दावा है कि दो साल के कार्यकाल में 10 में से पांच गारंटियों को पूरा कर दिया गया है। इनमें सरकारी कर्मचारियों के लिए पुरानी पेंशन योजना, महिलाओं के लिए 1500 मासिक सम्मान निधि, युवाओं के लिए स्टार्टअप योजना, सरकारी स्कूल में अंग्रेजी माध्यम से पढ़ाई और दूध के न्यूनतम समर्थन मूल्य तय करना शामिल हैं।

होंडा अमेज़ का भारत में विश्व प्रीमियर

नई दिल्ली। होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड (एचसीआईएल) ने आज भारत में बहुप्रतीक्षित नई थर्ड जनरेशन होंडा अमेज़ लॉन्च की। यह कार पहली बार दुनिया में कहीं भी लॉन्च होने से पहले भारत में पेश की गई है। कंपनी द्वारा भारत में वैश्विक प्रीमियर करने का निर्णय यह दिखाता है कि भारत होंडा के लिए कितना खास और महत्वपूर्ण मार्केट है। नई होंडा अमेज़ को खासतौर से स्टाइलिश, प्रीमियम और आरामदायक कॉम्पेक्ट सेडान के रूप में डिजाइन किया गया है। यह कार खासकर उन युवाओं और परिवारों के लिए बनाई गई है, जो हर मोड़ पर आराम, सफलता और प्रगति की उम्मीद रखते हैं। नई होंडा अमेज़ को थाईलैंड स्थित होंडा आरएंडडी एशिया पैसिफिक टीम ने विकसित किया है और इसे ÷एलीट बूस्टर सेडान÷ की सोच के तहत तैयार किया गया है। यह कार न केवल बेहतरीन ड्राइविंग अनुभव देती है बल्कि आपके व्यक्तित्व, सफलता और सामाजिक दर्जे को भी बखूबी दर्शाती है। होंडा ने अपनी वैश्विक दृष्टि, जिसमें 2050 तक सड़क हादसों के कारण होने वाली मौतों को जीरो करने का लक्ष्य है, को ध्यान में रखते हुए अमेज़ को सेगमेंट में पहली बार एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंट सिस्टम (एडीएएस) से लैस किया है। इस फीचर की वजह से अमेज़ भारत में सबसे किफायती एडीएएस से लैस कार बन गई है। होंडा अमेज़ को भारत में एंट्री लेवल सेडान के रूप में 2013 में लॉन्च किया गया था। तब से, इस कार ने कॉम्पैक्ट सेडान सेगमेंट में होंडा की मजबूती को साबित किया है। अब तक, यह 5.8 लाख से अधिक ग्राहकों का भरोसा जीत चुकी है, जिससे यह भारतीय बाजार में होंडा के लिए एक महत्वपूर्ण मॉडल बन गई है। होंडा कार इंडिया लिमिटेड के प्रेसिडेंट और सीईओ ताकुया त्सुमुरा ने नई अमेज़ के लॉन्च के मौके पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, ÷हम ऑल-न्यू अमेज़ को पेश करते हुए बेहद गर्व महसूस कर रहे हैं। यह कार अपने स्टाइल, सुरक्षा, कनेक्टिविटी, ड्राइविंग अनुभव और आराम के मामले में शानदार साबित होगी। अमेज़ हमेशा से भारतीय उपभोक्ताओं के दिलों में एक खास जगह रखती आई है। यह नई पीढ़ी का मॉडल हमारे ग्राहकों की बदलती जरूरतों को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। हमें पूरा भरोसा है कि यह नई अमेज़ इस सेगमेंट में नए मानक स्थापित करेगी और भारत में होंडा की विरासत को और मजबूत बनाएगी।

दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे गायत्री प्रजापति बलरामपुर अस्पताल में भर्ती

लखनऊ, एजेंसी। दुष्कर्म के मामले में उम्र कैद की सजा काट रहे पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति की सेहत बिगड़ने पर उन्हें बलरामपुर अस्पताल में भर्ती कराया गया. यहां वह प्राइवेट वार्ड में भर्ती हैं. सजायाफ्ता को प्राइवेट वार्ड देने को लेकर अस्पताल प्रशासन चुप्पी साधे हुए है. इसको लेकर मंगलवार को सारा दिन सोशल मीडिया पर अस्पताल प्रशासन की किरकिरी होती रही. गायत्री प्रजापति को दुष्कर्म के मामले में कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है. वह कई साल से जिला कारागार में बंद थे. बीते सप्ताह बीपी-शुगर व चक्कर आने की शिकायत पर जेल से उसे बलरामपुर अस्पताल भेजा गया था. अस्पताल पर राजनैतिक दबाव होने की वजह से उसे प्राइवेट वार्ड आवंटित कर दिया गया. न्यू प्राइवेट वार्ड के कमरा नंबर 15 में वह भर्ती हैं. अस्पताल के फिजिशियन डॉ. विष्णु समेत अन्य डॉक्टरों की टीम उसके इलाज में लगी है. कैदी को प्राइवेट वार्ड में भर्ती रखने को लेकर अस्पताल की किरकिरी हो रही है. वहीं, अस्पताल प्रशासन राजनहतिक दबाव होने की वजह से कुछ भी बोलने को राजी नहीं है. कुछ दिनों पहले गायत्री प्रजापति केजीएमयू में भी प्राइवेट वार्ड में भर्ती होकर इलाज कराया था.

केजीएमयू में मानसिक दिव्यांग मरीजों को मिलेगी पुनर्वास की सुविधा : लखनऊ- किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) में मानसिक रूप से दिव्यांग मरीजों को इलाज के साथ पुनर्वास की सुविधा भी मिलेगी. इसकी कवायद लगभग पूरी कर ली गई है. यह जानकारी केजीएमयू मानसिक स्वास्थ्य विभाग के अध्यक्ष डॉ. विवेक अग्रवाल ने दी. वह मंगलवार को दिव्यांग दिवस पर मानसिक स्वास्थ्य विभाग में जागरूकता कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे. डॉ. विवेक अग्रवाल ने कहा कि मानसिक रोगियों के ठीक होने के बाद उन्हें पुनर्वास की जरूरत होती है. अभी तक विभाग में कोई विशेषज्ञ मौजूद नहीं था. हाल ही में विशेषज्ञ ने नौकरी ज्वाइव की है. इससे मरीजों को इलाज संग पुनर्वास की सुविधा मुहैया कराने में मदद मिलेगी. डॉ. आदर्श त्रिपाठी ने बताया कि मानसिक रोगियों को किसी से कमतर न आंके. उनका मजाक न उड़ाएं. उन्हें बराबरी का मौका दें. समय पर मानसिक रोगियों का इलाज कराएं. समय पर इलाज से मरीज एकदम ठीक हो सकता है. उसके बाद मरीज के पुनर्वास के प्रति विचार करना चाहिए. कई बार देखने में आता है कि बीमारी ठीक होने के बावजूद समाज के कुछ लोग उसे स्वीकार नहीं करते हैं. इससे बचें. दिव्यांग मरीजों के प्रति व्यव्हार ठीक रखें- कार्यक्रम में मौजूद रंगकर्मी अनिल रस्तोगी ने कहा कि दिव्यांग मरीजों के प्रति सभी का व्यवहार ठीक होना चाहिए. इससे मरीज के साथ उसके परिवारीजनों का मनोबल बढ़ता है. समाज के सभी लोग मानसिक रोगियों के प्रति विशेष सजग रहें. उन्हें समाज से अलग-थलग न करें. उन्होंने कहाकि दिव्यांगजनों के लिए तमाम सरकारी योजनाएं चल रही हैं. उनका इलाज जरूरतमंदों को मुहैया कराने में मदद करें.

भारतीय महिला टीम के सामने ऑस्ट्रेलिया को उसके गढ़ में हराने की कड़ी चुनौती

ब्रिसबेन (एजेंसी)। भारत और ऑस्ट्रेलिया की पुरूष टीमों के बीच बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी को लेकर बनी हाइप के बीच दोनों देशों की महिला क्रिकेट टीमें बृहस्पतिवार से यहां एलेन बॉर्डर फील्ड पर तीन मैचों की वनडे श्रृंखला खेलेगी तो हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली टीम की नजरें ऑस्ट्रेलिया में अपना रिकॉर्ड दुरूस्त करके अगले साल होने वाले वनडे विश्व कप की तैयारियों का आगाज करने पर होंगी।

अक्टूबर में टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाने में विफल रही भारतीय टीम ने पिछले महीने न्यूजीलैंड को घरेलू वनडे श्रृंखला में 2-1 से हराया। ऑस्ट्रेलिया की चुनौती हालांकि भारत के लिये हमेशा कठिन रही है जिसने यहां अब तक सोलह वनडे में से चार ही जीते हैं। पिछली बार 2021 में यहां तीन मैचों की श्रृंखला में आस्ट्रेलिया ने भारत को 2-1 से हराया था।

वहीं पिछले करीब 9 महीने से इस प्रारूप में नहीं खेली गत चैम्पियन ऑस्ट्रेलिया की नजरें अगले साल भारत में होने वाले वनडे विश्व कप से पहले खुद को आजमाने पर लगी होंगी। भारत की उम्मीदों का दारोमदार हालांकि अनुभवी सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना पर रहेगाा जिन्होंने पिछले महीने न्यूजीलैंड के खिलाफ निर्णायक वनडे में शतक जमाकर भारत को जीत दिलाई। उन पर इस लय को कायम रखते हुए भारत को ठोस शुरुआत देने की जिम्मेदारी रहेगी। उन्होंने पिछले छह वनडे में सत्तर से ऊपर की औसत से 448 रन बनाए हैं।

दूसरी ओर आस्ट्रेलिया को कप्तान एलिसा हीली की कमी खलेगी जो घुटने की चोट के कारण बाहर हैं। यह श्रृंखला आईसीसी महिला चैम्पियनशिप का हिस्सा है जिसमें आस्ट्रेलिया फिलहाल 18 में से 13 वनडे जीतकर पहले स्थान पर है। इस चैम्पियनशिप से मेजबान भारत के अलावा पांच टीमों को अगले साल होने वाले विश्व कप में स्वत- जगह मिलेगी। हीली की जगह क्वींसलैंड और सिडनी थंडर्स की बल्लेबाज जॉर्जिया वोल को पदार्पण का मौका दिया गया है। हरफनमौला ताहलिया मैकग्रा टीम की कमान संभालेंगी जिनके प्रदर्शन पर बहुत कुछ निभर करेगा।

मैकग्रा ने कहा, 'भारतीय टीम में कई बड़े खिलाड़ी है। उनके खिलाफ हर मुकाबला कड़ी टक्कर वाला होता है। मैच में कई अहम क्षण होते हैं। हमारे घरेलू मैचों में भी भारतीय टीम को दर्शकों का काफी समर्थन मिलता है। भारतीय टीम को विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया की कमी खलेगी जो महिला बिग बैश लीग के दौरान मेलबर्न स्टार्स के लिये खेलते हुए कलाई की चोट का शिकार हो गई। उनकी जगह टीम में शामिल की गई युवा विकेटकीपर उमा छेत्री अपनी पहली वनडे श्रृंखला में छाप छोड़ना चाहेंगी।

वहीं खराब फॉर्म से जूझ रही शेफाली वर्मा को टीम में जगह नहीं मिल सकी है जिन्होंने अक्टूबर में यूएई में हुए टी टवेंटी विश्व कप में चार पारियों में सिर्फ 97 रन बनाए। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ अहमदाबाद में खेले गए तीन मैचों में भी वह 33, 11, 12 रन ही बना सकी। कप्तान हरमनप्रीत कौर का फॉर्म भी चर्चा का विषय रहा जो आस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछली वनडे श्रृंखला में तीनों मैचों में दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंच सकी थी। उनकी कप्तानी और बल्लेबाजी को लेकर उठने वाले सवालों का जवाब देने का उनके पास यह सुनहरा मौका है।

विकेटकीपर बल्लेबाज रिचा घोष की टीम में वापसी हुई है जो परीक्षा के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ नहीं खेल सकी थी। वहीं हरलीन देयोल, टिटास साधू और मिन्नू मनी ने भी टीम में वापसी की है। अनुभवी गेंदबाज पूजा वस्त्राकर को न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला से बाहर रहने के बाद वापसी का मौका नहीं मिला है। भारत के लिए दीप्ति शर्मा ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे श्रृंखला में 3.6 की इकॉनॉमी रेट से गेंदबाजी की और वह इस प्रदर्शन को जारी रखना चाहेंगी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पदार्पण करने वाली आक्रामक तेज गेंदबाज साइमा ठाकोर भी अपने प्रदर्शन की छाप छोड़ने को बेताब होंगी। ऑस्ट्रेलिया ने मार्च के बाद से वनडे क्रिकेट नहीं खेला है जब उसने ढाका में बांग्लादेश को तीनों मैचों में हराकर श्रृंखला जीती थी। पहली बार पूरी श्रृंखला के लिए टीम की कमान संभाल रही मैकग्रा ने कहा, 'यह पहली बार है जब मैं कप्तान के रूप में एक पूरी श्रृंखला खेलूंगी। इससे पहले मैंने किसी श्रृंखला या टूर्नामेंट के कुछ मैचों में इस भूमिका को निभाई है। मैं अपने तरीके से चीजों को चलना चाहूंगी।

आस्ट्रेलिया ने पिछली बार जनवरी में मुंबई में खेली गई श्रृंखला में तीनों मैच जीतकर क्लीन स्वीप किया था। सलामी बल्लेबाज फोबे लिचफील्ड ने उस श्रृंखला में एक शतक समेत 260 रन बनाए थे। वहीं अनुभवी एलिसे पैरी 4000 वनडे रन पूरे करने से सिर्फ 42 रन दूर है। ब्रिसबेन में मौसम गर्म और उमसभरा रहने की उम्मीद है और बारिश की भी संभावना है। दूसरा मैच आठ दिसंबर को इसी मैदान पर खेला जाएगा जबकि आखिरी मैच पर्थ में ग्यारह दिसंबर को होगा।

टीमें

भारत - हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, उमा छेत्री, हरलीन देयोल, रिचा घोष, तेजल हसाबनिस, मिन्नू मनी, प्रिया मिश्रा, प्रिया पूनिया, अरूंधति रेड्डी, जेमिमा रौड्रिग्स, टिटास साधू, दीप्ति शर्मा, रेणुका सिंह ठाकुर, साइमा ठाकोर, राधा यादव।

ऑस्ट्रेलिया - ताहलिया मैकग्रा (कप्तान), एशले गार्डनर, डार्सी ब्राउन, किम गार्थ, अलाना किंग, फोबे लिचफील्ड, सोफी मोलिनू, बेथ मूनी, एलिसे पैरी, मेगान शट, अनाबेल सदरलैंड, जॉर्जिया वोल, जॉर्जिया वेयरहैम।

समय - सुबह 08.50 बजे से।

सचिन ने पहले जूते निकाले, फिर किया कोच आचरेकर के स्मारक का अनावरण

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई में कोच रमाकांत आचरेकर के स्मारक के अनावरण पर पहुंचे दिग्गज क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने अपने एक कार्य से फैंस का दिल जीत लिया। तेंदुलकर ने कभी इस बात से इंकार नहीं किया है उनके सफल क्रिकेट करियर में कोच आचरेकर का योगदन नहीं था। हर साल गुरु पूर्णिमा पर सचिन अपने दिवंगत कोच को श्रद्धासुमन अर्पित करना नहीं भूलते। इस बार शिवाजी पार्क जिमखाना में जब कोच आचरेकर के स्माकर का अनावरण करने की बारी आई तो वह यह कार्य करने से पहले अपने जूते उतारना नहीं भूले। कोच के सम्मान में सचिन ने पहले जूते उतारे और बाद में स्मारक का अनावरण किया। तेंदुलकर ने कहा कि सर ने ऐसा मौका नहीं लिया। मैच के बाद वह कभी-कभी मुझे वड़ा पाव लेने के लिए पैसे देते थे, इस तरह मुझे लगता था कि मैंने कुछ अच्छा किया होगा। हमेशा ऐसा ही स्नेह होता था। उन्होंने कहा कि हम उनके घर जाते थे। उनकी पत्नी और वो हमें आमंत्रित करते और हमारा पसंदीदा भोजन मटन करी, पाव, नींबू और प्याज था। भारत के कई खिलाड़ियों को कोचिंग देने वाले आचरेकर का जनवरी 2019 में निधन हो गया।

1990 में आचरेकर को प्रतिष्ठित द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया और 2010 में उन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया गया। तेंदुलकर ने कहा कि सर एक 'जनरल स्टोर' थे, उनके पास सब कुछ होता था। वह बहुत ख्याल रखते थे। जब हम डॉक्टर के पास जाते थे, तब भी वह स्थितियों को नियंत्रित करते थे। वह एक ऑलराउंडर थे।

'मैं एमएस धोनी से बात नहीं करता, 10 साल हो गए हैं'

- हरभजन सिंह के दावों ने दोनों में दरार की पुष्टि की

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम को कई मैच जीतने वाली जोड़ी हरभजन सिंह और एमएस धोनी अलग हो गए हैं। हरभजन का दावा है कि उन्होंने 10 साल से अधिक समय से एक-दूसरे से बात नहीं की है। आखिरी बार हरभजन और धोनी ने एक साथ भारत का प्रतिनिधित्व 2015 में किया था जब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय मैच खेला था। वे तीन साल बाद फिर से साथ आए, आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए कुछ सीजन खेले। लेकिन मैदान पर उनकी चर्चाओं को छोड़कर, हरभजन ने एक दशक से अधिक समय से धोनी से बात नहीं की है।

हरभजन ने एक मीडिया हाउस से बातचीत में कहा, नहीं, मैं धोनी से बात नहीं करता। जब मैं सीएसके में खेल रहा था, तब हमने बात की थी, लेकिन इसके अलावा, हमने बात नहीं की। 10 साल से ज़्यादा हो गए हैं। मेरे पास कोई कारण नहीं है; शायद वह करता हो। मुझे नहीं पता कि क्या कारण हैं। जब हम सीएसके में आईपीएल में खेल रहे थे, तब हम बात करते थे, और वह भी मैदान तक ही सीमित थी। उसके बाद वह मेरे कमरे में नहीं आया, न ही मैं उसके कमरे में गया। हरभजन ने युवराज और आशीष नेहरा का नाम लिया जिनसे वह नियमित रूप से संपर्क में रहते हैं। लेकिन जब धोनी की बात आती है, तो हरभजन पीछे हट जाते हैं। उन्होंने कहा, मेरे मन में उनके खिलाफ कुछ नहीं है। अगर उन्हें कुछ कहना है, तो वे मुझे बता सकते हैं। लेकिन अगर उन्होंने कहा होता, तो वे अब तक मुझे बता चुके होते।

आखिरी लीग मैच में यूएई को रौंद सेमीफाइनल में भारत

युद्धजीत ने 3 विकेट झटके, तो वैभव ने 76* और आयुष ने 67* रन की पारी खेली

शारजाह (एजेंसी)। भारतीय जूनियर क्रिकेट टीम अंडर-19 एशिया कप के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। उसने अपने आखिरी लीग मैच में संयुक्त अरब अमीरात को 10 विकेटों के बड़े अंतर से हराया। टीम इंडिया के लिए युद्धजीत ने 3 विकेट झटके, तो वैभव ने 76* और आयुष ने 67* रन की पारी खेली।

भारतीय जूनियर टीम ने भौकाल दिखाते हुए अंडर-19 एशिया कप के आखिरी लीग मैच में संयुक्त अरब अमीरात को 10 विकेटों के बड़े अंतर से रौंदते हुए न केवल जीत हासिल की, बल्कि उसने सेमीफाइनल में भी जगह बना ली है। टीम इंडिया ने पहले बॉलिंग करते हुए यूएई को 44 ओवरों में 137 रनों पर समेट दिया। इसके बाद वैभव सूर्यवंशी और आयुष म्हात्रे की विध्वंसक बैटिंग के दम पर 16.1 ओवरों में ही 143 रन बनाते हुए यूएई को 10 विकेट से हरा दिया।

वैभव ने 46 गेंदों में 3 चौके और 6 छक्के के दम पर नाबाद 76 रन की पारी खेली, जबकि प्लेयर ऑफ द मैच आयुष ने 51 गेंदों में 4 चौके और 4 छक्के उड़ाए। सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला 6 दिसंबर को श्रीलंका से है। इससे पहले भारत को पाकिस्तान से हार मिली थी, जबकि उसने जापान को हराया था।

मैच में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी संयुक्त अरब अमीरात की टीम को पहला झटका युद्धजीत गुहा ने दिया। उन्होंने आर्यन सक्सेना को 9 रनों के निजी स्कोर पर बोल्ड किया। इसके बाद तो एक-एक करके उसके बल्लेबाज आते रहे और आउट होकर पवेलियन लोटते रहे। देखते ही देखते उसके 5 विकेट 72 तो 137 रनों पर पूरी टीम ढेर हो गई।

उसके लिए सबसे अधिक अयान खान ने 35 रनों की पारी खेली, जबकि भारत के लिए युद्धजीत ने 3 विकेट लिए। चेतन शर्मा और हार्दिक राज के नाम 2-2 विकेट रहे। इस तरह से सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए टीम इंडिया को 138 रनों का आसान लक्ष्य मिला।

138 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया ने 16.1 ओवरों में लक्ष्य हासिल कर लिया। यूएई के गेंदबाज एक भी विकेट नहीं झटक सके। आयुष ने शुरुआत संभलकर की तो शुरुआती दो मैचों में फेल रहने वाले बिहार के लाल वैभव सूर्यवंशी ने आक्रामक तेवर दिखाए। दोनों ने हाफ सेंचुरी जड़ी और भारत को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया।

लंदन में पढ़ी सारा तेंदुलकर को बनाया डायरेक्टर

सचिन तेंदुलकर ने खुद किया बेटी की सफलता का ऐलान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर और क्रिकेट के विश्व लेवल पर अघोषित ब्रांड एम्बेसडर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर अब नई भूमिका में नजर आएंगी। उन्हें सीधे सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन में डायरेक्टर बनाया गया है। लंदन में पढ़ाई कर चुकी सारा को लेकर पहले खबरें आई थीं कि वह मॉडलिंग और एक्टिंग करेंगी, लेकिन बाद में सचिन ने साफ कर दिया था कि बेटी ऐसा कुछ नहीं करने जा रही। अब उन्होंने खुद ऐलान किया है कि समाज में संघर्ष कर रहे बच्चों को खेल, शिक्षा और स्वास्थ्य में आगे बढ़ाने के लिए काम करेंगी। क्रिकेट के भगवान कहे जाने वाले महान सचिन तेंदुलकर ने एक्स पर लिखा- मुझे यह बताते हुए बेहद खुशी हो रही है कि मेरी बेटी सारा तेंदुलकर एसटीएफ इंडिया (सचिन तेंदुलकर फाउंडेशन, इंडिया) में डायरेक्टर के रूप में शामिल हो गई हैं। उन्होंने यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन से क्लिनिकल और पब्लिक हेल्थ न्यूट्रिशन में मास्टर डिग्री हासिल की है। उन्होंने साथ ही बेटी सारा का एक लक्ष्य भी बताया। उन्होंने लिखा- जब वह खेल, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा के माध्यम से भारत को सशक्त बनाने की इस यात्रा पर निकल पड़ीं तो यह इस बात की याद दिलाता है कि ग्लोबल लर्निंग कैसे हर किसी को मिल सकती है। बता दें कि सारा तेंदुलकर मां अंजलि और पिता सचिन के साथ अक्सर फाउंडेशन के लिए काम करती दिखाई देती हैं। वह मध्य प्रदेश और राजस्थान सहित कई दौरों पर भी जाती रहती हैं, जहां फाउंडेशन काम कर रहा है। यहां बताना जरूरी है कि सचिन तेंदुलकर एक बार की घटना बताते हुए भावुक हो गए थे कि किस तरह सारा को समाज सेवा से प्यार है और इसकी झलक उन्हें बचपन में ही दिख गई थी।

पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज में दक्षिण अफ्रीकी टीम की घोषणा, हेनरिक क्लासेन को मिली कप्तानी

जोहान्सबर्ग (दक्षिण अफ्रीका) (एजेंसी)। बल्लेबाज हेनरिक क्लासेन 10 दिसंबर से पाकिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी करेंगे जबकि नियमित कप्तान एडेन मार्कराम श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज में व्यस्त हैं। मार्कराम के अलावा, मार्को जेनसन, केशव महाराज, कैगिसो रबाडा और ट्रिस्टन स्टब्स भी टी20 सीरीज में नहीं खेल पाएंगे, क्योंकि वे भी मौजूदा टेस्ट सीरीज में शामिल हैं।

मुख्य खिलाड़ियों की अनुपस्थिति के बावजूद दक्षिण अफ्रीका की टी20 टीम में काफी दमदार खिलाड़ी हैं, जिसमें आईसीसी के अनुसार एनरिक नॉर्टजे और तबरेज शम्सी आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 के बाद पहली बार वापसी कर रहे हैं। ऑलराउंडर जॉर्ज लिंडे भी तीन साल के अंतराल के बाद टी20आई टीम में वापस आ गए हैं, उन्होंने आखिरी बार 2021 में खेला था। लिंडे छ्र्र ञ्20 चैलेंज के दौरान बेहतरीन फॉर्म में थे, उन्होंने 178.12 की स्ट्राइक रेट से 171 रन बनाए और 18.33 की शानदार औसत से नौ विकेट लिए।

आईसीसी के हवाले से दक्षिण अफ्रीका के व्हाइट-बॉल हेड कोच रॉब वाल्टर ने कहा, सभी 15 खिलाड़ी कैप्ड हैं, और हम समूह के भीतर अनुभव का निर्माण करना चाहते हैं क्योंकि हम एक इकाई के रूप में आगे बढ़ना जारी रखते हैं। एडेन की अनुपस्थिति में हेनरिक टीम का नेतृत्व करेंगे। वह एक बहुत अनुभवी खिलाड़ी है जो खेल को अच्छी तरह समझता है और पढ़ता है। हम 2021 में उनके पिछले अनुभवों के बाद उन्हें इस भूमिका में उपयोग करने के लिए उत्सुक हैं।

उन्होंने कहा, हमने जॉर्ज को फिर से मौका दिया है। उन्होंने वास्तव में एक मजबूत घरेलू अभियान के दम पर अपनी जगह बनाई है और स्पिनिंग ऑलराउंडर के रूप में उनके कौशल ने टीम में महत्वपूर्ण संतुलन जोड़ा है। हमें एनरिक और तबरेज को टीम में वापस पाकर खुशी हो रही है। उनके अनुभव और कौशल की भरमार हमारी गेंदबाजी इकाई को काफी मजबूत करती है जिससे हमारी गति और स्पिन दोनों विभाग बेहतर होते हैं, जो एक मजबूत पाकिस्तान टीम के खिलाफ महत्वपूर्ण होगा।

पाकिस्तान के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम

हेनरिक क्लासेन (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, डोनोवन फेरेरा, रीजा हेंड्रिक्स, पैट्रिक क्रूगर, जॉर्ज लिंडे, क्वेना मफाका, डेविड मिलर, एनरिक नॉर्टजे, नकाबा पीटर, रयान रिकेल्टन, तबरेज शम्सी, एंडिले सिमेलाने और रस्सी वैन डेर डुसेन।

टी20 सीरीज का कार्यक्रम

पहला टी20, 10 दिसंबर, डरबन
दूसरा टी20, 13 दिसंबर, सेंचुरियन
तीसरा टी20 मैच, 14 दिसंबर, जोहान्सबर्ग।

विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप

15 मैच बाकी, अभी तक एक भी टीम फाइनल में नहीं, कड़ी है चुनौती

नईदिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की इंग्लैंड के खिलाफ हार के बाद विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप में बड़े बदलाव देखने को मिल रहे हैं।इन दिनों ऑस्ट्रेलिया बनाम भारत, न्यूजीलैंड बनाम इंग्लैंड, श्रीलंकाई बनाम साउथ अफ्रीका सीरीज चल रही हैं। इन सभी टीमों के मैचों के नतीजे डब्ल्यूटीसी अंक तालिका पर असर डाल रहे हैं। मौजूदा साइकल में अभी 15 टेस्ट बाकी हैं और कोई भी टीम फाइनल में नहीं पहुंची है। रविवार को समाप्त हुए इंग्लैंड बनाम न्यूजीलैंड टेस्ट तक के अंकों के आधार पर अंतिम दो स्थानों के लिए अभी भी 6 टीमें रेस में बनी हुई हैं। हालांकि टूर्नामेंट के दौरान अंकों पर टीमों की संभावना को नुकसान भी पहुंचा सकती है। चैम्पियनशिप की शुरुआत टीमों के साथ हुई थी, जिनमें से बांग्लादेश, विंडीज और इंग्लैंड बाहर हो चुके हैं। इन दिनों विंडीज और बांग्लादेश के बीच आपसी श्रृंखला खेली जा रही है, लेकिन उसके नतीजे का असर वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप की अंक तालिका पर नहीं पड़ेगा।

भारत 61.11 प्रतिशत - ऑस्ट्रेलिया से तीन मैच जीतकर टीम इंडिया का जीत प्रतिशत 62.28 हो जाएगा और सिर्फ साउथ अफ्रीका आगे निकलने की स्थिति में रहेगा। यदि टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया से 2-3 से हारती भी है, तो भी लगातार तीसरे फाइनल का मौका बन सकता है। इसके लिए उसे न्यूजीलैंड-इंग्लैंड, अफ्रीका-श्रीलंका और अफ्रीका-पाक सीरीज 1-1 से ड्रॉ होनी चाहिए तथा दुआ करनी होगी कि ऑस्ट्रेलिया-श्रीलंका के बीच दो मैचों की सीरीज 0-0 पर खत्म हो।

अफ्रीका 59.26प्रतिशत - श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट की सीरीज के पहले मैच में मिली जीत से अफ्रीका ने फाइनल की ओर एक और कदम बढ़ा दिया है। अफ्रीकी टीम के तीन मैच बचे हैं। इन सभी को जीतकर टीम निश्चित रूप से फाइनल में होगी। वहीं अफ्रीकी टीम अगर एक मैच भी हार जाती है तो 61.11त्र अंक तक पहुंच सकेगी और फाइनल के लिए अन्य टीमों पर निर्भर हो जाएगी। इतने अंकों पर ऑस्ट्रेलिया, भारत और श्रीलंका के पास उससे आगे निकलने का मौका रहेगा।

ऑस्ट्रेलिया 57.69प्रतिशत - ऑस्ट्रेलिया को अपने दम पर फाइनल में पहुंचने के लिए बचे 6 मैचों में कम से कम 4 जीत और 1 ड्रॉ चाहिए। ऐसा होने पर सिर्फ साउथ अफ्रीका उससे आगे जा सकता है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया अगर भारत के खिलाफ 2-3 से हारता भी है, तो श्रीलंका को 2-0 से स्वीप कर फाइनल में पहुंच सकता है। इस स्थिति में ऑस्ट्रेलिया भारत के 58.77 अंक से आगे 60.53 पर फिनिश करेगा। यहां से सिर्फ साउथ अफ्रीका उसे पछाड़ सकेगा।

न्यूजीलैंड 47.92प्रतिशत - इंग्लैंड के खिलाफ तीन टेस्ट की घरेलू सीरीज के पहले मैच में हार से कीवी टीम को झटका लगा है और बचे दो मैच जीतकर भी वह 55.36 अंक तक पहुंच सकती है। उसे कई परिणामों पर निर्भर रहना होगा। भारत-ऑस्ट्रेलिया सीरीज व अफ्रीका-श्रीलंका की मौजूदा और आगामी सीरीज ड्रॉ रहने पर ही चांस बनेगा।

श्रीलंका 50प्रतिशत - श्रीलंका भी दक्षिण अफ्रीका जैसी स्थिति में है। उसके तीन मैच बचे हैं और ये सभी जीतकर टीम 61.54त्र अंकों के साथ फाइनल में पहुंच सकती है। इस स्टेज पर भारत या ऑस्ट्रेलिया में से कोई एक ही उससे आगे निकलने की स्थिति में होगा। वहीं एक मैच भी हारे तो चार अन्य टीम आगे निकल सकेंगी।

पाकिस्तान 33.33प्रतिशत - पकिस्तान बच्चे सभी 4 मैच जीत लेता है तो 52.28प्रतिशत तक पहुंच सकता है। इसके बाद टीम फाइनल में पहुंच सकती है अगर- श्रीलंकाई टीम अफ्रीका से 0-1 से हारे और ऑस्ट्रेलिया से 1-1 से ड्रॉ खेले। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत से 2-1 से जीते और न्यूजीलैंड टीम इंग्लैंड से 1-2 से हारे। ऐसे में पाक टीम दूसरे स्थान पर रहेगी।

सर्दी में घर पर बनाएं स्वादिष्ट और हेल्दी सहजन का सूप

सर्दियों की शुरुआत हो चुकी है। इस मौसम में गर्मा–गर्म सूप पीने का एक अलग ही मजा होता है। ठंड के समय हर कोई कुछ गर्म और पौष्टिक खाना चाहते हैं, तो आप इस मौसम में सूप के ऑप्शन तलाशते हैं, तो आप घर पर बने सूप का मजा ले सकते हैं। घर पर बने सूप का एक शानदार विकल्प हो सकता है और इसे बनाना भी काफी किफायती है, क्योंकि इस बनाने के लिए सामग्रियां बेहद कम मात्रा में उपयोग किया जाता है। आइए जानते हैं सहजन का सूप घर पर कैसे सरल तरीके से बना सकते हैं।

सामग्री

- 1 कप दाल
- ताजी सहजन के छोटे टुकड़े
- 1 कटा हुआ टमाटर
- 1 कटा हुआ प्याज
- थोड़ी सी अदरक

सहजन का सूप बनाने की विधि

- सर्दियों में सहजन का सूप बनाने के लिए आपको मुट्ठी भर दाल, ताजी सहजन के छोटे टुकड़े, कटे हुए टमाटर, प्याज और थोड़े से अदरक की आवश्यकता होगी।
- सबसे पहले आप सभी सब्जियों को अच्छे से धोकर, छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें। इन सामग्रियों को एक बर्तन में एक चम्मच हल्दी और करीब एक से डेढ़ गिलास पानी के साथ रखें। इन सभी चीजों को नरम होने तक पकने दें।
- फिर आप इस मिश्रण को ठंडा होने दें। फिर, इसे मिक्सर में डालकर मुलायम पेस्ट बना लें। इसके बाद आप पेस्ट को छलनी के छान लें ताकि गूदा और रेशे अलग हो जाएंगे।
- अब आप जरुरत के हिसाब से गाढ़ारपन को बरकार रखने के लिए गूदे में थोड़ा सा पानी जरुर मिलाएं, लेकिन सूप के स्वाद को सही रखने के लिए आवश्यकतानुसार ही पानी डालें।
- अगर आपको थोड़ा सा मसाला पसंद हैं तो आप स्वाद के लिए थोड़ी काली मिर्च और नमक मिला सकते हैं। इस मिश्रण को उबाल लें और इसे 3 से 4 मिनट तक उबलने दें। और तैयार है आपका स्वाद और पोषक तत्वों से भरपूर सहजन सूप (ड्रमस्टिक) तैयार है। यह सूप स्वाद के साथ ही हेल्थ के लिए सबसे बेहतरीन स्वाद से भरपूर है।

ब्लैकहेड्स से छुटकारा पाने के 5 प्रभावी घरेलू उपाय और टिप्स!

ब्लैकहेड्स एक आम समस्या है, खासकर चेहरे पर, जो त्वचा की porosity और तेल उत्पादन के कारण होते हैं। ये तब बनते हैं जब रोमछिद्रों में जमा हुआ तेल, गंदगी, मृत त्वचा कोशिकाएं और बैक्टीरिया हवा के संपर्क में आकर काले हो जाते हैं। ब्लैकहेड्स आपकी त्वचा को बेजान बना देते हैं। ब्लैकहेड्स की समस्या को दूर करने के लिए कई उपाय हैं, जिनमें से कुछ आसान घरेलू उपचार भी हैं।

यहां कुछ प्रभावी टिप्स और घरेलू उपचार दिए गए हैं जिनसे आप ब्लैकहेड्स से छुटकारा पा सकते हैं-

हल्दी और बेसन का फेस पैक

हल्दी और बेसन एक प्राकृतिक एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल हैं, जो त्वचा को साफ करने में मदद करते हैं।

1. (1) चम्मच बेसन में 1/2 चम्मच हल्दी और थोड़ी सी दही डालें।
2. इस मिश्रण को चेहरे पर लगाएं और सूखने तक छोड़ दें।
3. सूखने के बाद हल्के हाथों से स्क्रब करें और फिर पानी से धो लें। यह पैक त्वचा को गहराई से साफ करता है और ब्लैकहेड्स को कम करने में मदद करता है।

अंडे का सफेद भाग और नींबू का रस मास्क

नींबू में सिट्रिक एसिड होता है जो त्वचा को एक्सफोलिएट करता है, जबकि अंडे का सफेद भाग त्वचा को हाइड्रेट करता है।

1. (1) अंडे का सफेद भाग, 1 चम्मच नींबू का रस
2. अंडे की सफेदी को सख्त होने तक फेंटें, उसमें नींबू का रस मिलाएं और अपने चेहरे पर लगाएं। सूखने तक लगा रहने दें और फिर धीरे से छील लें।
3. नताशा ने कहा, ÷अंडे का सफेद भाग रोमछिद्रों को कसता है और अतिरिक्त तेल को हटाता है, जबकि नींबू का रस त्वचा को चमकदार बनाने में मदद करता है।÷

स्टीम (भाप) लें

स्टीम लेने से त्वचा के रोमछिद्र खुल जाते हैं, जिससे ब्लैकहेड्स को निकालना आसान हो जाता है।

1. एक बर्तन में पानी गर्म करें और उसका भाप चेहरे पर लें।
2. ध्यान रखें कि पानी ज्यादा गर्म न हो, ताकि त्वचा जल न जाए।
3. स्टीम लेने के बाद चेहरे को ठंडे पानी से धोकर रोमछिद्रों को बंद कर लें।

चीनी और शहद स्क्रब

चीनी त्वचा की मृत कोशिकाओं को हटाने के लिए एक बेहतरीन स्क्रब है, जबकि शहद त्वचा को मुलायम बनाता है और उसकी नमी बनाए रखता है।

1. 1 चम्मच चीनी और 1 चम्मच शहद मिलाकर एक स्क्रब तैयार करें।
2. इसे चेहरे पर हल्के हाथों से रगड़ें और फिर गुनगुने पानी से धो लें।
3. यह स्क्रब ब्लैकहेड्स को हटाने में मदद करता है और त्वचा को निखारता है।

टी ट्री ऑयल

टी ट्री ऑयल एक प्राकृतिक एंटीबैक्टीरियल और एंटीफंगल एजेंट है, जो ब्लैकहेड्स को रोकने में सहायक है।

1. (1-2) बूंदें टी ट्री ऑयल को एक कॉटन पैड पर डालें और उसे प्रभावित क्षेत्र पर लगाएं।
2. इसे रातभर छोड़ें और सुबह अपने चेहरे को धो लें। टी ट्री ऑयल त्वचा को साफ रखता है और ब्लैकहेड्स के निर्माण को रोकता है।

अतिरिक्त टिप्स

1. चेहरे को नियमित रूप से धोएं-दिन में दो बार फेसवॉश से चेहरे को धोने से अतिरिक्त तेल और गंदगी हट जाती है, जिससे ब्लैकहेड्स की संभावना कम होती है।
2. कॉमेडोजेनिक उत्पादों से बचें-ऐसे स्किनकेयर और मेकअप उत्पादों का उपयोग न करें जो त्वचा के रोमछिद्रों को बंद कर सकते हैं।
3. संतुलित आहार लें-खानपान में विटामिन और ओमेगा-3 फैटी एसिड्स को शामिल करें, जैसे कि गाजर, टमाटर, मछली आदि, जो त्वचा को स्वस्थ बनाए रखते हैं।

ब्लैकहेड्स से छुटकारा पाना समय और धैर्य की बात है। इन घरेलू उपचारों को नियमित रूप से अपनाकर आप ब्लैकहेड्स को कम कर सकते हैं और अपनी त्वचा को साफ और निखरा हुआ रख सकते हैं। यदि समस्या अधिक बढ़ जाए तो त्वचा विशेषज्ञ से सलाह लेना भी फायदेमंद हो सकता है

यूरिक एसिड के मरीजों के लिए फायदेमंद है लहुसन का सेवन

जब हमारा शरीर प्रोटीन को सही से पचा नहीं पाता है तो इसकी वजह से प्रोटीन से निकलने वाला प्यूरिन जो कि एक वेस्ट प्रोडक्ट है वो बढ़ने लगता है। ये हड्डियों में पथरी के रूप में जमा हो जाता है और एक गैप पैदा करने लगता है जिसे गाउट की समस्या कहते हैं। समय के साथ ये समस्या बढ़ने लगती है और परेशान करती है। ऐसे में आप अगर लहसुन का सेवन करें तो इसमें कमी आ सकती है। दरअसल, आज हम आपको बताएंगे कि कैसे लहसुन हाई यूरिक एसिड की समस्या में कारगर तरीके से काम करता है। साथ ही जानेंगे इसके सेवन का तरीका।

लहसुन में पाया जाने वाला एस-एलिल-एल-सिस्टीन (S-allyl-L-cysteine) यौगिक जैसे जैथिन ऑक्सीडेज एंजाइम शरीर में यूरिक एसिड के स्तर को कम करने में मदद करता है। लहसुन एक स्वस्थ पाचन तंत्र को बढ़ावा देता है और शरीर के डिटॉक्सिफिकेशन में सहायता करता है और यूरिक एसिड के निर्माण को रोकता है। ये नींबू और विटामिन सी से भरपूर है जो शरीर में यूरिक एसिड के स्तर को कम करने में सबसे कारगर उपाय हैं।

एंटीइंफ्लेमेटरी है लहसुन-

लहसुन एंटी इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर है और शरीर में सूजन और दर्द को रोकता है। ये हड्डियों के लिए इसी प्रकार से फायदेमंद है और गाउट के दर्द में कमी लाता है। तो, लहसुन का सेवन हड्डियों के बीच दर्द को कम करता है और जोड़ों से जुड़ी समस्याओं में कमी लाता है। इस प्रकार से हाई यूरिक एसिड में लहसुन फायदेमंद है।

हाई यूरिक एसिड के मरीज ऐसे खाएं लहसुन-

तो, आपको करना ये है कि लहसुन की 5 से 6 कलियों को कूच लें और एक पैन में सरसों तेल डालकर छोड़ दें। फिर इसमें पानी डालें और हल्का सा काली मिर्च, नींबू का रस और काला नमक मिलाकर उबलने दें। फिर इस पानी को छान लें और पिएं। रोज ये सुबह खाली पेट करें। आपको इसका फायदा खुद नजर आएगा।

सेब और अमरूद से कहीं ज्यादा मीठा और स्वादिष्ट होता है रामफल

रामफल हल्के नारंगी रंग का होता है और खाने में एकदम मीठा और स्वादिष्ट होता है। रामफल के स्वाद के आगे सेब और अमरूद का टेस्ट भी फीका लगेगा। रामफल नवंबर और दिसंबर महीने में ही मिलता है। आइये जानते हैं रामफल खाने के फायदों के बारे में।

रामफल खाने के फायदे

वजन घटाए- जो लोग मोटापा कम करना चाहते हैं वो रामफल जरूर खाएं। स्वाद में भले ही ये फल आपको मीठा लगे, लेकिन वजन घटाने में भी ये असरदार साबित होता है। रामफल शरीर को एनर्जी देता है और इससे फाइबर मिलता है। रामफल खाने के काफी देर तक आपको भूख नहीं लगती। इसलिए नियमित रूप से रामफल खाकर मोटापा कम किया जा सकता है।

डायबिटीज में फायदेमंद- शुगर के मरीज को खाने-पीने में बड़ा सोच समझकर चीजों को शामिल करना पड़ता है। ऐसे कई फल हैं जो शुगर के मरीज को नुकसान पहुंचा सकते हैं। लेकिन रामफल मीठा होने के बावजूद डायबिटीज के रोगियों के लिए फायदेमंद साबित होता है। इस फल को खाने से ब्लड शुगर लेवल को कम किया जा सकता है। रामफल में ऐसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो कैंसर से लड़ने में भी मदद करते हैं।

बाल और त्वचा के लिए फायदेमंद- रामफल बालों और त्वचा के लिए भी फायदेमंद फल है। इसके सेवन से बालों को झड़ने की समस्या को कम किया जा सकता है। रामफल में विटामिन सी काफी होता है जो त्वचा और बालों दोनों के लिए उपयोगी साबित होता है। रामफल खाने से स्किन पर ग्लो आने लगता है।

इम्यूनिटी को बनाए मजबूत- रामफल का सेवन करने से इम्यून सिस्टम स्ट्रांग बनता है। जिन लोगों को इम्?यून सिस्?टम कमजोर है उन्हें रामफल जरूर खाना चाहिए। इससे आप सीजनल बीमारियों के खतरे से बच सकते हैं। वायरल बुखार और कई तरह के इंफेक्शन को दूर करने में भी ये फल मदद करता है। रामफल खाने से प्रतिरक्षा क्षमता बढ़ती है।

इन लोगों को नहीं खानी चाहिए फूल गोभी

गैस और ब्लोटिंग की समस्या- जिन लोगों को अक्सर खाने-पीने से गैस और एसिडिटी की समस्या रहती है उन्हें फूलगोभी का सेवन न के बराबर करना चाहिए। गोभी में कार्बोहाइट्रेट होते हैं, जिससे पाचन से जुड़ी समस्याएं बढ़ सकती हैं। गोभी की सब्जी या पराठे खाने के बाद आपको गैस और ब्लोटिंग की समस्या हो सकती है। इसलिए गोभी का सेवन न करें।

थायराइड में गोभी नहीं खाएं- अगर आपको थायराइड की समस्या है तो फूलगोभी न खाएं। इससे आपकी मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। फूलगोभी खाने से थायराइड ग्लैंग में आयोडीन के इस्तेमाल करने की शक्ति कम हो जाती है। जिससे मुश्किल हो सकती है। फूल गोभी खासतौर से ञ3 और ञ4 हार्मोन के लेवल को प्रभावित कर सकती है। इसलिए थायराइड के मरीज कम से कम फूलगोभी खाएं।

पथरी होने पर न खाएं गोभी- फूल गोभी का सेवन पथरी की समस्या होने पर भी नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान हो सकता है। खासतौर से गॉलब्लैडर और किडनी में पथरी होने पर फूल गोभी खाने से बचना चाहिए। फूल गोभी में कैल्शियम होता है जिससे पथरी की परेशानी और बढ़ सकती है।

ब्लड क्लॉटिंग होने पर- अगर आपको ब्लड क्लोटिंग की शिकायत रहती है तो फूलगोभी का सेवन बिल्कुल न करें। फूलगोभी में पोटैशियम काफी ज्यादा होता है जिससे शरीर में खून और गाढ़ा हो सकता है। इसलिए गोभी का सेवन सीमित करें या फिर न खाएं।

प्रेगनेंसी में न खाएं गोभी- गर्भावस्था के दौरान भी आपको फूल गोभी का सेवन करने से बचना चाहिए। इससे कई तरह की समस्याएं पैदा हो सकती हैं। खासतौर से प्रेग्नेंसी में गैस, एसिडिटी और अपच की समस्या ट्रिगर कर सकती है। इसलिए गोभी से परहेज करना जरूरी है।

रात में फल खाने से हो सकती हैं ये परेशानियां

फल हमारी सेहत के लिए फायदेमंद है ये तो हम सब जानते हैं। फल विटामिन्स, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट्स और पोषक तत्व से भरपूर होता हैजो शरीर को कई तरह की बीमारी से बचाता है। हेल्थ एक्सपर्ट के अनुसार, रोजाना फल खाने से शरीर को भरपूर मात्रा में विटामिन और मिनरल्स मिलते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि फल खाने का भी एक सही समय होता है। अगर आप फलों का सेवन रात के समय करते हैं तो इससे आपको फायदे की जगह नुकसान होगा। चलिए जानते हैं रात के समय फल खाने से क्या परेशानी हो सकती है, किन फलों को भूलकर भी रात के समय नहीं खाना चाहिए और फल खाने का सही समय क्या है?

बढ़ जाता है ब्लड शुगर-ज़्यादातर फलों में शुगर की मात्रा बहुत ज़्यादा होती है। ऐसे में रात के खाने के समय इनका सेवन करने से रक्त शर्करा के स्तर तेजी से बढ़ता है। आजकल की बिगड़ती जीवनशैली में अधिकांश लोगों को हाई ब्लड शुगर की समस्या है। ऐसे में फलों को खाने से शुगर लेवल तेजी से बढ़ सकती है। इसलिए, बिस्तर पर जाने से ठीक पहले रात के खाने के समय कुछ फल खाने से बचना चाहिए।

ऊर्जा के स्तर में वृद्धि-बिस्तर पर जाने से ठीक पहले रात के खाने के समय फल खाने से ऊर्जा का स्तर बढ़ सकता है। ऊर्जा बढ़ने से नींद नहीं आने की समस्या का सामना करना पड़ सकता है।

पेशाब की समस्या-फल पानी से भरपूर होते हैं, इसलिए अगर इन्हें रात समय खाया जाए तो ये नींद में खलल डाल सकते हैं। आपको कई बार वॉशरूम भागना पड़ सकता है।

किन फलों को भूलकर भी रात में नहीं खाना चाहिए?

केला-पोषक तत्वों से भरपूर केला शरीर को तुरंत एनर्जी देती है। लेकिन अगर आप यह फल रात में कहते हैं तो इससे सर्दी जुकाम की समस्या हो सकती है। साथ ही रात में केला खाने से पाचन की दिक्कत हो सकती है।

संतरा-विटामिन-सी से भरपूर संतरा एक एसिडिट फ्रूट है जिसे सुबह खाली पेट और रात में सोने से पहले बिल्कुल भी नहीं खाना चाहिए। इसे रात में खाने से सर्दी खांसी की समस्या हो सकती है

नाशपाती- नाशपाती में चीनी की मात्रा बहुत अधिक होती है जो रात में रक्त शर्करा के स्तर को बढ़ा सकती है इसलिए, इसे खाने से बचना ही बेहतर है।

क्या है फल खाने का सही समय?-

फल खाने का सही समय नाश्ते के बाद होता है। सुबह का नाश्ता करने के बाद आप 11-1 के बीच में कोई भी फल खाएं। इससे आपकी सेहत को भी फायदा होगा। वहीं आयुर्वेद के अनुसार सुबह खाली पेट पपीता, सेब और केला जैसे फल खाने से पेट साफ़ होता है।

सर्दियों में बढ़ने लगती है दिल की बीमारियां

हार्ट को ब्लॉक होने से बचाने के लिए इन टिप्स को करें फॉलो

इन दिनों देश दुनिया में हार्ट अटैक, स्ट्रोक के मामले बहुत तेजी से बढ़े हैं। पहले जहां हार्ट अटैक 50 की उम्र के बाद वालों को होता था वहीं, अब युवा उम्र में ही लोग इसकी गिरफ्त में आने लगे हैं। वहीं, सर्दियों के मौसम में दिल से जुड़ी बीमारियां तेजी से बढ़ती है। इसके पीछे खराब खनापन, एक्सरसाइज़ की कमी, जंक फूड का सेवन आपको इस बीमारी की तरफ एक कदम और आगे धकेलती है। यानी एक तरह से कहा जाए तो हार्ट अटैक के पीछे आपकी बिगड़ी हुई जीवनशैली है। ऐसे में अगर आप अपनी लाइफ स्टाइल में इन कुछ चीज़ों को शामिल कर लें तो आपका हार्ट हमेशा के लिए हेल्दी हो सकता है। आइए, जानते हैं हेल्दी हार्ट के लिए आपको अपने लाइफ स्टाइल में क्या बदलाव करने होंगे?

हेल्दी हार्ट के लिए इन टिप्स को करें फॉलो-

वॉक करें- सबसे पहले अपनी जीवनशैली में वॉक को शामिल करें। अगर आप हेवी या इंटेंस वर्कआउट नहीं करते हैं तो भी कोई बात नहीं। लेकिन अगर आप दिनभर में कम से कम 8 से 9 हज़ार स्टेप नहीं चलते हैं तो इससे दिल की सेहत खराब हो सकती है। वहीं, नियमित चलने से न केवल वजन कम होता है बल्कि हृदय रोग, स्ट्रोक, रक्तचाप और डायबिटीज भी कंट्रोल होता है।

वजन को रखें मेंटेन-मोटापा एक दो नहीं बल्कि सौ बीमारियों का घर है। मोटापे से डायबिटीज, ब्लड प्रेशर जैसी गंभीर बीमारियां भी आपके शरीर पर धावा बोलती हैं। इसलिए वजन मेंटेन होना बहुत ज़रूरी है। खासकर, आजकल जिस तरह से बच्चों का वजन बढ़ रहा है उससे इस बात का डर है कि आगे चलकर वो इन गंभीर समस्याओं की चपेट में न आएं।

प्रोसेस्ड फ़ूड से करें तौबा- आप जितना बाहर का खाना खाएंगे दिल की सेहत उतनी ही खराब होते जाएगी। तले हुए खाद्य पदार्थ, सॉसेज, मक्खन और केक जैसे वसा वाले फूड्स एलडीएल कोलेस्ट्रॉल के स्तर को तेजी से बढ़ाते हैं जिससे दिल की सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

ब्रेक पर जाएं-हमेशा अपने आप को काम में व्यस्त न रखें। छुट्टियां लें, घूमने जाएं और अपनी मन पसंद की चीजें करे। ऐसा करने से बैड कोलेस्ट्रॉल कम होता है और हार्ट हेल्दी बनता है।

फिल्मों में अलग किरदार निभा कोंकणा सेन शर्मा ने अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया

बॉलीवुड इंडस्ट्री में कोंकणा सेन शर्मा को उनकी बेहतरीन अदाकारी के लिए जाना जाता हैं। उन्होंने अपने बहुमुखी अभिनय के लिए हर जगह प्रशंसा बटोरी है। नेशनल अवॉर्ड जीत चुकी कोंकणा अपना 44वां जन्मदिन मना रही हैं। कोंकणा ने बचपन से ही अभिनय करना शुरू कर दिया था। इस अभिनेत्री ने 1983 की फिल्म इंदिरा में एक बाल कलाकार के रूप में अपने अभिनय की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्होंने जितनी भी फिल्में कीं, उनमें अपने अभिनय की अलग दमदार छाप छोड़ी। उन्होंने हर फिल्म में अपनी अदाकारी का लोहा मनवाया है। ऐसे में चलिए जानते हैं कोंकणा की कुछ बेहतरीन भूमिकाओं के बारे में।

तलवार

तलवार मोटे तौर पर 2008 के नोएडा दोहरे हत्याकांड पर आधारित थी, जिसमें एक किशोरी और उसके परिवार का नौकर शामिल था। यह फिल्म एक मामले की तीन अलग-अलग दृष्टिकोणों से जांच की कहानी को दिखाती है, जिसमें पुलिस जांच में उसके माता-पिता हत्या के आरोपों में या तो दोषी पाए जाते हैं या निर्दोष। कोंकणा सेन शर्मा ने फिल्म में एक मां की भूमिका निभाई है। इसमें इरफान खान और नीरज काबी भी मुख्य भूमिका में हैं।

ओमकारा में इंदु त्यागी के रूप में

कोंकणा सेन शर्मा ने विशाल भारद्वाज की प्रतिष्ठित फिल्म ओमकारा में इंदु त्यागी की भूमिका निभाई थी। एक गांव की साधारण महिला कोंकणा सेन शर्मा ने चरित्र की गहराई में उतर कर उसकी भाषा और बोली पर पूरी पकड़ बना ली, साथ ही चरित्र के लिए अपेक्षित व्यवहार और मासूमियत भी हासिल कर ली। वह एक घरेलू दर्शक से एक ऐसी महिला में बदल जाती हैं, जो अपने जीवन की जिम्मेदारी स्वयं उठाती है।

मिस्टर एंड मिसेज अय्यर में बनीं मीनाक्षी अय्यर

कोंकणा सेन शर्मा के करियर की शुरुआती फिल्मों में से एक में उन्होंने एक तमिल ब्राह्मण महिला की भूमिका में अपनी अभिनय क्षमता का प्रदर्शन किया, जो गर्व, खुशी और दर्द को अत्यंत स्पष्ट तरीके से व्यक्त करती है। फिल्म के कई दृश्यों में यह बात स्पष्ट है कि वह बिना कोई संवाद बोले सिर्फ अपने हाव-भाव से ही आपके दिल पर वार कर सकती हैं।

पेज 3 में माधवी शर्मा के रूप में कोंकणा

कोंकणा सेन शर्मा की अब तक की सर्वश्रेष्ठ भूमिकाओं में से एक मधुर भंडारकर की फिल्म पेज 3 में एक महत्वाकांक्षी पत्रकार की भूमिका है। यह फिल्म अपने समय से बहुत आगे थी और इसमें हिंदी फिल्म उद्योग के अंधेरे पक्ष को शानदार ढंग से दिखाया गया था, जिसमें कोंकणा सेन शर्मा केंद्र में थे। उनका चरित्र उनके जीवन की मुश्किलों को दर्शाता है। इसमें अतुल कुलकर्णी, संध्या मृदुल, तारा शर्मा, अंजू महेंद्रू और बोमन ईरानी भी हैं। 2005 में रिलीज हुई इस फिल्म ने तीन राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीते। पेज 3 का निर्देशन मधुर भंडारकर ने किया था और बॉबी पुष्करना और कविता पुष्करना ने इसका निर्माण किया था।

राजकुमार राव ने आदित्य निंबालकर के साथ मिलाया हाथ, इस ओटीटी पर रिलीज होगी फिल्म

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव ने इस साल कई बेहतरीन फिल्मों में काम किया और अपनी दमदार अदाकारी से दिल जीता। वे मिस्टर एंड मिसेज माही के बाद स्त्री 2 में श्रद्धा कपूर के साथ नजर आए, जिसकी सफलता का जश्न उन्होंने खूब धूमधाम से मनाया था। वे आखिरी बार विक्की विद्या का वो वाला वीडियो में तृप्ति डिमरी के साथ नजर आए। हालांकि, यह फिल्म कुछ खास कमाल नहीं दिखा सकी। वहीं, अब राजकुमार राव की नई फिल्म को लेकर दिलचस्प जानकारी सामने आई है।

अभिनय के साथ करेंगे फिल्म का निर्माण

रिपोर्ट्स के अनुसार, राजकुमार राव ने अपनी नई फिल्म के लिए निर्देशक आदित्य निंबालकर के साथ हाथ मिलाया है। आदित्य निंबालकर फिल्म सेक्टर 36 का निर्देशन कर चुके हैं। यह नेटफ्लिक्स की ओरिजिनल फिल्म होगी। रिपोर्ट में दावा किया गया कि राजकुमार राव निर्देशक आदित्य निंबालकर द्वारा निर्देशित इस अनाम फिल्म के साथ निर्माता बनने जा रहे हैं।

वहीं, फिल्म की कहानी की बात करें तो यह एक हत्या की पृष्ठभूमि पर आधारित एक डार्क कॉमेडी है। राजकुमार राव को यह विषय इतना पसंद आया कि उन्होंने इसे खुद ही प्रोड्यूस करने का फैसला किया। अभिनेता ने एक निर्माता की जिम्मेदारी ली और फिर नेटफ्लिक्स के साथ डायरेक्ट-टू-डिजिटल डील पर साझेदारी की।

कहा गया कि राजकुमार राव इस अभी तक बिना शीर्षक वाली नेटफ्लिक्स ओरिजिनल फिल्म की शूटिंग जनवरी 2025 में शुरू करेंगे और फिल्म का प्रीमियर अगले साल के अंत तक प्लेटफॉर्म पर होगा। सभी को विषय पसंद आया है और डिजिटल माध्यम पर फिल्म की संभावनाओं को लेकर सभी उत्साहित हैं। यह फिल्म हत्या की जांच की कहानी को दिखाएगी, जिसकी पटकथा काफी दिलचस्प होगी।

राजकुमार की आने वाली फिल्में

इस फिल्म में राजकुमार राव अब अभिनय के साथ-साथ इसके सह-निर्माता भी बनेंगे। आदित्य निंबालकर निर्देशित इस फिल्म के अलावा राजकुमार राव को एक और फिल्म के लिए भी साइन किया है। इस बारे में जल्द ही ज्यादा जानकारी सामने आएगी। वहीं, बात करें अभिनेता की आने वाली फिल्मों के बारे में तो वह पुलकित द्वारा निर्देशित मालिक में नजर आएंगे, जिसकी शूटिंग फिलहाल जारी है।

रिटायरमेंट नहीं, कुछ समय के लिए ब्रेक लेना चाहता हूं

विक्रांत मैसी अपने रिटायरमेंट को लेकर सुर्खियों में छाए हुए हैं। इस बीच अभिनेता का बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया है कि वह रिटायरमेंट नहीं, बल्कि कुछ दिनों के लिए ब्रेक लेने जा रहे हैं। 'द साबरमती रिपोर्ट' फेम विक्रांत मैसी का लेटेस्ट बयान सामने आया है। अभिनेता ने नए बयान में कहा, मेरे लिए एक्टिंग ही सब कुछ है। आज मेरे पास जो कुछ भी है, वह मुझे एक्टिंग ने ही दिया है। मेरे मेंटल और फिजिकल हेल्थ पर इसका बहुत असर पड़ रहा है। ऐसे में मैं बस कुछ समय के लिए ब्रेक लेना चाहता हूं, मैं अपने स्किल को और बेहतर बनाना चाहता हूं। थोड़ा ब्रेक चाहता हूं। अभिनेता ने कहा, मेरे पोस्ट का गलत अर्थ निकाला गया है कि मैं एक्टिंग की दुनिया छोड़ रहा हूं या इससे रिटायरमेंट ले रहा हूं। मैं अपने परिवार और स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए कुछ समय के लिए ब्रेक लेना चाहता हूं, जब सही समय लगेगा तो मैं वापस आ जाऊंगा। उन्होंने लिखा, हैलो, पिछले कुछ साल और उससे आगे का समय मेरे लिए काफी शानदार रहा है। मैं आप सभी को समर्थन के लिए धन्यवाद देता हूं। लेकिन, जैसे-जैसे मैं आगे बढ़ रहा हूं, मुझे एहसास हो रहा है कि यह समय फिर से संभलने और एक पति, पिता, बेटे और अभिनेता के रूप में घर वापस जाने का है। इसलिए, साल 2025 में हम एक-दूसरे से आखिरी बार मिलेंगे। जब तक समय सही न लगे। एक बार फिर से धन्यवाद, हर चीज के लिए आप सभी का हमेशा आभारी रहूंगा। विक्रांत मैसी अपनी हालिया रिलीज 'द साबरमती रिपोर्ट' की सफलता का आनंद उठा रहे हैं। मैसी की 'जीरो से रीस्टार्ट' भी 20 दिसंबर को रिलीज के लिए तैयार है।

बिग बॉस 18 में होगी शालिनी पासी की वाइल्ड कार्ड एंट्री

बिग बॉस 18 में शालिनी पासी वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट के तौर पर एंट्री करने जा रही हैं। वह इस हफ्ते बुधवार और गुरुवार को शूट करेंगी। एक्ट्रेस 'फैबुलस लाइफ्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स से सुर्खियों में आई हैं। शालिनी पासी को 'फैबुलस लाइफ्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स शो से काफी पहचान मिली है। इस शो ने उन्हें एक नया फेम और ऑडियंस के बीच पॉपुलैरिटी दिलाई है। ऑडियंस अब बिग बॉस में उनके एंट्री को लेकर काफी उत्साहित हैं।

ओरी जैसे रोल में नजर आएंगी

रिपोर्ट्स के मुताबिक, शालिनी का रोल बिग बॉस 18 में पिछले सीजन के ओरी जैसा हो सकता है, जिसने शो में अपने अंदाज और ड्रामा से ऑडियंस को काफी अट्रैक्ट किया था। शालिनी का किरदार और भी इंट्रिगिंग हो सकता है। शालिनी पासी को रियलटी शो फैबुलस लाइफ्स ऑफ बॉलीवुड वाइव्स का अनुभव है। ऐसा माना जा रहा है कि उनका ये अनुभव इस बार बिग बॉस में उन्हें कॉन्फिडेंस और रणनीति से गेम खेलने में मदद करेगा। शालिनी की एंट्री के बाद बिग बॉस में नए ट्विस्ट और ड्रामा का माहौल बन सकता है। उनके आने से शो में कुछ नया देखने को मिल सकता है, जो ऑडियंस को शो से जोड़े रखेगा। सूत्रों का मानना है कि बिग बॉस में उनकी एंट्री उनके करियर में एक नया मोड़ ला सकती है।

इस सीजन में पहले भी हुई वाइल्ड कार्ड एंट्री

सलमान खान के रिएलिटी शो बिग बॉस में सबसे पहले दिग्विजय राठी और कशिश कपूर की बतौर वाइल्ड कार्ड एंट्री हुई। उसके बाद एडिन रोज, अदिति मिस्त्री और यामिनी मल्होत्रा भी शो में बतौर वाइल्ड कार्ड कंटेस्टेंट शामिल हुईं।

करण औजला म्यूजिक कॉन्सर्ट के लिए देश आने की कर रहे तैयारी, नए गाने को लेकर भी दी जानकारी

करण औजला भारतीय सिंगर है, वह अपने पंजाबी गानों के लिए देश भर में मशहूर है। वैसे वह ज्यादातर कनाडा में रहते हैं। जल्द ही उनका भारत के कई शहरों में म्यूजिक टूर होने वाला है। इस बात को लेकर वह काफी उत्साहित हैं। अपने भारत आने की तैयारियों को वह अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के जरिए फैंस के साथ साझा कर रहे हैं। कुछ देर पहले भी उन्होंने इंस्टाग्राम की स्टोरी सेक्शन में एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वह पैकिंग करते हुए नजर आ रहे थे।

म्यूजिक कॉन्सर्ट को लेकर हैं खुश

करण औजला ने जो वीडियो अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शेयर किया है, उसमें वह काफी खुश नजर आ रहे हैं। वह वीडियो में अपने दोस्तों से पूछ रहे हैं कि किस तरह के कपड़े पैक करें। इसके बाद वह लगेज बैग के साथ नजर आते हैं। हर वीडियो में भारत का झंडा उन्होंने टैग किया हुआ है। करण जल्द ही भारत पहुंच जाएंगे। देश के आठ शहरों में वह अपना म्यूजिक कॉन्सर्ट करने वाले हैं।

नए गाने की जानकारी भी दी

इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए ही करण औजला ने अपने नए गाने की जानकारी भी दी है। वह टी सीरीज के साथ एक गाना कर रहे हैं, जो कि पांच तारीख को रिलीज होगा। इस गाने का नाम 'आए हाय' है। अपने नए गाने को लेकर भी करण काफी खुश हैं।

तौबा-तौबा पर अब तक झूम रहे हैं लोग

करण औजला का गाना 'तौबा-तौबा' इसी साल विक्की कौशल की फिल्म 'बैड न्यूज' में सुनने को मिला था। शादियों के इस सीजन में भी लोग करण के इस गाने पर झूम रहे हैं। करण के म्यूजिक कॉन्सर्ट में भी फैंस को यह गाना जरूर सुनने को मिलेगा। करण का यह टूर 7 दिसंबर से लेकर 21 दिसंबर तक होगा। इस म्यूजिक टूर का नाम 'इट वाज ऑल ए ड्रीम' है। चंडीगढ़, दिल्ली, मुंबई के अलावा कुछ और शहरों में भी करण का म्यूजिक कॉन्सर्ट होगा।

दर्शकों को हैरान कर देंगे

सूत्रों के अनुसार करण अपने म्यूजिक टूर की तैयारियां लगभग एक साल से कर रहे थे। इस टूर के जरिए वह पंजाबी कल्चर और इंडियन म्यूजिक को सेलिब्रेट करना चाहते हैं। साथ ही म्यूजिक टूर में वह अपने फैंस को कोई बड़ा सरप्राइज भी देने वाले हैं।

कभी क्रिकेट खेला, कभी पायलट की ट्रेनिंग ली पर मैं टिका किसी में नहीं

वेब सीरीज जुबली के जय खन्ना के रूप में दर्शकों का दिल जीतने वाले ऐक्टर सिद्धांत गुप्ता इन दिनों अपनी नई सीरीज फ्रीडम ऐट मिडनाइट को लेकर चर्चा में हैं। सीरीज में देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की चुनौतीपूर्ण भूमिका निभाने वाले सिद्धांत से खास बातचीत।

कभी अंडर 14 क्रिकेट में राष्ट्रीय स्तर पर अपने राज्य जम्मू-कश्मीर का प्रतिनिधित्व तो कभी दिल्ली में पायलट बनने की ट्रेनिंग लेने वाले सिद्धांत बताते हैं, मुझे बहुत टाइम तक पता नहीं था कि मुझे जिंदगी में करना क्या है। बचपन में क्रिकेट का शौक था। मुझे लगता था कि मैं खेलने के लिए पैदा हुआ हूं, जैसे ज्यादातर बच्चों को लगता है। नैशनल खेलने के लिए स्कूल से छुट्टी मिल जाती थी तो अंडर 14 क्रिकेट में खेला, मगर ऐसा नहीं लगा कि मैं सारी जिंदगी यही करना चाहता हूं। फिर, अंडर 17 में बास्केटबॉल और स्विमिंग में भी भागीदारी की, पर मैं टिका किसी में नहीं। दिल्ली में पायलट की पढ़ाई कर रहा था, वहीं मॉडलिंग करने लगा। उसमें भी यही लगा कि मैं ये पूरी उम्र नहीं कर सकता। तब सोचा कि आगे क्या करूं? तो मुंबई आ गया, यहां ऐक्टिंग की शुरुआत हुई, मगर तब भी ये नहीं लगा कि यही मेरी जिंदगी है।

लंदन के उस वर्कशॉप ने बदली लाइफ

सिद्धांत अपने ऐक्टिंग करियर के टर्निंग पॉइंट के बारे में बताते हैं, मैं जब टीवी से फिल्मों में आने की कोशिश कर रहा था, तब फिल्म भूमि में एक कैमियो किया था। वो फिल्म मेरी नहीं थी, फिल्म चली भी नहीं, तब मुझे लगा कि मैं क्या कर रहा हूं? क्यों कर रहा हूं? अगर मुझे वाकई ऐक्टिंग करना है तो या इस सवाल का जवाब ढूंढ लूं कि यह क्यों करना है या फिर कोई और काम ढूंढ लूं, क्योंकि एक ही जिंदगी है। तब मैं एक महीने के लिए सबसे दूर अकेले लंदन चला गया। वह मेरी जिंदगी का पहला सोलो ट्रिप था। वहां मैं एक ड्रामा स्कूल से जुड़ गया, वर्कशॉप करने लगा और वहां मैंने पहली बार आर्ट का जादू महसूस किया। मेरे लिए वह वर्कशॉप टर्निंग पॉइंट रहा।

पंडित नेहरू का रोल निभाना बड़ी चुनौती

सीरीज फ्रीडम ऐट मिडनाइट में पंडित जवाहर लाल नेहरू की चुनौतीपूर्ण भूमिका से जुड़ने और उसमें ढलने के बाबत सिद्धांत ने बताया, जुबली के बाद मैं एक चैलेंजिंग रोल ढूंढ रहा था, जो मुझे मिल नहीं रहा था। ऐसे में, जब निखिल अडवानी सर ने मुझे पंडित जवाहरलाल नेहरू के रोल में चुना तो मुझे खुद यकीन नहीं था कि मैं इसे ठीक से निभा पाऊंगा या नहीं। यह बहुत बड़ा किरदार है। वह इंसान नहीं, एक इमोशन हैं। इसलिए, यह एक बड़ी जिम्मेदारी थी लेकिन निखिल सर ने कहा कि मैं उनकी पहली पसंद हूं, तो मेरा भरोसा भी बढ़ गया। ऐसे डायरेक्टर्स की यही खूबी होती है कि वे आप पर भरोसा करते हैं। वह विक्रमादित्य मोटवाने हों या निखिल अडवानी, दोनों ने मुझे खुला छोड़ दिया कि तुम्हें जो ठीक लगता है, वो करो। हालांकि, इस बार चुनौती ज्यादा बड़ी थी और मेरे पास तैयारी के लिए महज दो महीने थे। मैंने यूट्यूब पर पंडित नेहरू के काफी विडियो देखे। उनकी लिखी किताबें पढ़ी ताकि उनकी सोच को समझ सकूं।

चंकी पांडे ने की अनन्या की तारीफ

बॉलीवुड अभिनेता चंकी पांडे ने अपनी बेटी अनन्या पांडे की तारीफ की है। खो गए हम कहां के लिए बेस्ट एक्टर फीमेल का अवॉर्ड मिला है। सोशल मीडिया पर उन्होंने कहा, मुझे तुम पर बहुत गर्व है। खो गए हम कहां के लिए फिल्म फेयर बेस्ट एक्टर अवॉर्ड इस पोस्ट पर अनन्या पांडे के प्रशंसकों ने प्रतिक्रिया दी है। चंकी पांडे अक्सर अपनी बेटी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते रहते हैं। उन्होंने इस पोस्ट में अनन्या पांडे की तस्वीर साझा की है, इस में वे फिल्म फेयर अवॉर्ड लिए नजर आ रही हैं।

जनपद में प्रदेश स्तरीय बैडमिंटन प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

नोएडा (चेतना मंच)। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश एवं जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों पर जिला क्रीड़ा अधिकारी लक्ष्यराज त्यागी व उप क्रीड़ा अधिकारी अनीता नागर के नेतृत्व में आज नोएडा क्रिकेट अकैडमी ग्रेटर नोएडा वेस्ट में प्रदेश स्तरीय समन्वय सब जूनियर बालक/बालिका बैडमिंटन प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी गौतमबुद्धनगर शिव प्रताप परमेश, विशिष्ट अतिथि देवेंद्र कौशल, मनोज तपस्वी करण श्रीवास्तव, अनुपम शुक्ला, उत्सव शर्मा, अनुपम, बरखा गुप्ता, वंदना यदुवंशी, धर्मेंद्र, अनामिका, आरके सिंह, अंजना HOD दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल, मनोज चौधरी, विजय कुमार HOD बी एल एस वर्ल्ड स्कूल वर्ल्ड स्कूल, गीता भाटी , कुलदीप नगर, सतीश नागर, महेश कुमार उपस्थित रहे।

प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी का जिला क्रीडा अधिकारी लक्ष्यराज त्यागी ने प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया तथा विशिष्ट अतिथि देवेंद्र कौशल का स्वागत किया। अनीता नगर उप क्रीड़ा अधिकारी द्वारा पुष्प गुच्छ देकर प्रभारी मुख्य विकास अधिकारी शिव प्रताप सिंह परमेश का तथा देवेंद्र कौशल विशिष्ट अतिथि का स्वागत किया गया।

उपक्रीड़ा अधिकारी अनीता नगर ने बताया कि प्रदेश स्तरीय समन्वय सब जूनियर बालक/बालिका बैडमिंटन प्रतियोगिता 4 दिसंबर से 6 दिसंबर 2024 तक चलेगी, इसमें स्पोर्ट्स कॉलेज, हॉस्टल की 23 टीमों के द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है।

यूपी पुलिस को चकमा देकर निकले राकेश टिकैत

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान नेता राकेश टिकैत और यूपी पुलिस के बीच बुधवार को हाईवोल्टेज ड्रामा हुआ। ग्रेटर नोएडा के जीरो प्वाइंट पर किसानों की महापंचायत में शामिल होने आ रहे भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत को अलीगढ़ में टप्पल के पास यूपी पुलिस ने हिरासत में ले लिया। लेकिन टप्पल थाने की पुलिस को गच्चा देकर राकेश टिकैत थाने से निकल गए और दौड़कर यमुना एक्सप्रेसवे पर चढ़ गए। राकेश टिकैत की वजह से यूपी पुलिस की फौज को भी दौड़ लगानी पड़ी। यूपी पुलिस उन्हें गिरफ्तार कर टप्पल थाने ले आई है।

ग्रेटर नोएडा के जीरो प्वाइंट पर किसानों की आज महापंचायत हो रही है। यह महापंचायत मंगलवार को दलित प्रेरणा स्थल पर धरना दे रहे किसानों की गिरफ्तारी के विरोध में हो रही है। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत को भी शामिल होना था। लेकिन बुधवार दोपहर जैसे ही राकेश टिकैत की गाड़ी यमुना एक्सप्रेस-वे पर अलीगढ़ के टप्पल थाना क्षेत्र में पहुंची यूपी पुलिस ने उन्हें हिरासत

में ले लिया। टप्पल थाने में हिरासत में लेकर बिठाये गए किसान नेता राकेश टिकैत ने यूपी पुलिस को गच्चा देकर थाने से निकलकर यमुना-एक्सप्रेसवे की तरफदौड़ लगा दी। राकेश टिकैत व उनके समर्थकों के पीछे यूपी पुलिस के जवान भी दौड़ लगा रहे थे। यमुना एक्सप्रेस-वे पर पहुंचकर राकेश टिकैत ने एक ट्रक को रोककर उसमें बैठने का प्रयास किया लेकिन तभी यूपी पुलिस के जवानों ने ट्रक के सामने आकर ट्रक को रोक दिया। इसके बाद किसान नेता राकेश टिकैत ट्रक से नीचे उतरे और यमुना एक्सप्रेस-वे पर पैदल ही आगे बढ़ने लगे। लेकिन यूपी पुलिस ने उन्हें रोक दिया और उन्हें गिरफ्तार करके टप्पल थाने ले आई।

किसान नेता राकेश टिकैत ने चेतना मंच को बताया कि फिलहाल वह टप्पल थाने में बैठे हैं और पुलिस व प्रशासन के अगले कदम का इंतजार कर रहे हैं। किसान नेता राकेश टिकैत ने कहा कि यूपी की सरकार तानाशाही पर उतर आई है और किसानों की आवाज को दमन के जरिए दबाना चाहती है, लेकिन अब किसान चुप नहीं बैठेगा।

रालोद ने नियुक्त किया दादरी अध्यक्ष

नोएडा (चेतना मंच)। पीपल वाली मस्जिद दादरी में राष्ट्रीय लोक

दल पार्टी की बैठक हुई जिसकी अध्यक्षता जिलाध्यक्ष जनार्दन भाटी ने की। बैठक में फखरुद्दीन कोटिया को दादरी नगर का अध्यक्ष नियुक्त किया और आशा व्यक्त की दादरी नगर में राष्ट्रीय लोकदल पार्टी को मजबूती के साथ मजबूत करेंगे।

इस मौके पर जिला अध्यक्ष ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल पार्टी किसान अल्पसंख्यक मजदूरों की हितैषी पार्टी है। आज उत्तर प्रदेश में अल्पसंख्यक समाज जयंत चौधरी में अपनी आस्था जाता रहा है।

इस मौके पर मनवीर भाटी क्षेत्रीय उपाध्यक्ष आजाद मलिक युवा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र पूनिया ग्रेटर नोएडा अध्यक्ष जसवीर भाटी शहाबुद्दीन नेताजी मुंशी कबीरूद्दीन फखरुद्दीन मेवाती सदर राशिद मेवाती कबीर मेवाती अरशद कोटिया हाजी गुल मोहम्मद आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नोएडा शहीद स्मारक के कार्यकारी निदेशक को दी विदाई

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-29 स्थित शहीद स्मारक के सदस्यों ने कार्यकारी

निदेशक, लेफ्टिनेंट जनरल एसके सिंह, पीवीएसएम, यूवाईएसएम, एवीएसएम (सेवानिवृत्त) को विदाई दी। इस दौरान कार्यकारिणी समिति के सभी सदस्य उपस्थित रहे। अध्यक्ष, लेफ्टिनेंट जनरल जीएल बख्शी, पीवीएसएम (सेवानिवृत्त) ने संस्था में उनके बहुमूल्य योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि वह रीढ़ की हड्डी थे और उन्होंने आगे बढ़कर टीम का नेतृत्व किया है।

निवर्तमान ईडी ने चेयरमैन को उनके मार्गदर्शन के लिए और सभी सदस्यों को एक अच्छी टीम के रूप में काम करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने बताया कि वह कभी भी संगठन नहीं छोड़ेंगे लेकिन बिहार में उनके गांव के निवासियों को बेहतरी और उत्थान के लिए उनकी जरूरत है। उन्होंने कहा कि उनका दिल हमेशा संस्था के साथ रहेगा, क्योंकि वह गौतमबुद्ध नगर के शहीदों के लिए है।

अध्यक्ष ने संस्था के सभी सदस्यों की ओर से लेफ्टिनेंट जनरल एसके सिंह (सेवानिवृत्त) को गुलदस्ता भेंट किया।

ग्रेनो के 25 पंप हाउस का बदला रंग-रूप, जलापूर्ति भी हुई बेहतर

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा के पंप हाउसों को चमकाने की सीईओ एनजी रवि कुमार व एसीईओ प्रेरणा सिंह की मुहिम रंग ला रही। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के जल विभाग ने अब तक 25 पंप हाउसों को चमका दिया है। इन पंप हाउसों को न सिर्फ रंग-रोगन से, बल्कि तकनीक के लिहाज से भी अपडेट किया जा रहा है। हरी-भरी घास, पेड़-पौधे लगाकर हरियाली बढ़ाई जा रही है। इन पंप हाउस परिसरों में फलों वाले देशी पौधे रोपित किए जा रहे हैं, जो कि पक्षियों को पसंद हैं। इससे परिसरों में पक्षियों की चह-चहाहट भी सुनाई देगी। इन पंप हाउसों को ऑटोमेषन सिस्टम से लैस करने से जलापूर्ति में भी सुधार हुआ है। साथ ही मेनटेनेंस का खर्च भी घटा है।

ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने सभी पंप हाउस परिसरों को चमकाने की जिम्मदारी एसीईओ प्रेरणा सिंह को दी है। एसीईओ ने सबसे पहले अलग-अलग सेक्टरों में बने पंप हाउसों को मौके पर जाकर देखा। उन्होंने जल विभाग की टीम से इन सभी पंप हाउस परिसरों को चमकाने और तकनीकी रूप से भी अपडेट करने के लिए अभियान चलाने के निर्देश दिए। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के महाप्रबंधक परियोजना एके सिंह और वरिष्ठ प्रबंधक राजेश कुमार के नेतृत्व में जल विभाग की टीम ने अब तक 25 पंप हाउसों का सौंदर्यीकृत करा दिया है। इनमें सेक्टर 4, ईकोटेक-12, सेक्टर-2, सेक्टर- 3, सेक्टर 37, टेकजोन-4, सेक्टर पी-4 आदि शामिल हैं। इन पंप हाउसों को ऑटोमेशन सिस्टम पर भी कर दिया गया है। अब इसे चलाने या बंद करने की जरूरत नहीं रह गई है। बाकी पंप हाउसों का भी सौंदर्यीकरण किया जा रहा है। महाप्रबंधक परियोजना एके सिंह ने बताया कि इन पंप हाउसों पर अलार्म सिस्टम भी लगाया गया है। किसी तरह की तकनीकी फॉल्ट होने पर अलार्म भी बजेगा। इससे जलापूर्ति को और बेहतर करने में मदद मिलेगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण की एसीईओ प्रेरणा सिंह ने कहा है कि जब तक सभी पंप हाउस रेनोवेट नहीं हो जाते हैं, तब तक अभियान जारी रहेगा।

नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन की आम सभा 3 जनवरी को

एक वर्ष का लेखा-जोखा व लंबित मांगों की होगी घोषणा : चौ. राजकुमार

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण की कर्मचारी यूनियन नोएडा एम्पलाइज एसोसिएशन एनईए की आम सभा 3 जनवरी 2025 को की जाएगी।

आज सेक्टर-6 स्थित एनईए कार्यालय में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया है। एनईए अध्यक्ष चौ. राज कुमार ने बताया कि 3 जनवरी को दोपहर 12.00 बजे सेक्टर-6 में एक आमसभा आहूत की गई है।

इस आमसभा में सभी पदाधिकारियों व सदस्यों के समक्ष पिछले एक वर्ष में एसोसिएशन द्वारा कराए गए कार्यों को कर्मचारियों के बीच रखा जाएगा तथा जो माँगें लंबित है उनको भी कर्मचारियों के समक्ष रखा जाएगा

हादसों को दावत दे रहा है सेक्टर-49 में खुला नाला

नोएडा (चेतना मंच)। सेक्टर-49 चौराहे से प्रयाग अस्पताल की ओर जाने वाले

नाले के खुले होने से कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

फोनरवा के कोषाध्यक्ष पवन यादव ने नाले को ढंकने के लिए जनस्वास्थ्य विभाग के महाप्रबंधक एसपी सिंह को पत्र लिखा है। लिखे पत्र में पवन यादव ने कहा कि जून में जब नाले की सफाई की गई थी उस वक्त कर्मचारियों ने दो स्थानों पर नाला खुला छोड़ दिया था। कई बार शिकायत के बाद भी अभी तक नाला ढंका नहीं गया।

उन्होंने कहा कि यहां पर प्रयाग अस्पताल के तीमारदार तथा अन्य महिलाएं, बुजुर्ग व बच्चे भी पैदल चलते हैं। कभी भी खुले नाले पर गिरने से बड़ा हादसा हो सकता है। उन्होंने शीघ्र ही इस नाले को कवर कराने की मांग की है।